हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, गुरुवार, 26 फरवरी 2026 | वर्ष : 5, अंक : 61 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

पीएम मोदी इजरायल दौरे पर रवाना, नेतन्याहू पत्नी सारा संग एयरपोर्ट पर करेंगे स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर इजरायल के लिए रवाना हो गए। यह उनके कार्यकाल का दूसरा इजरायल दौरा है। जानकारी के मुताबिक इजरायल के प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू स्वयं बेन गुरियन एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत करेंगे। इसे प्रोटोकॉल से हटकर विशेष सम्मान माना जा रहा है। इससे पहले 2017 की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भी नेतन्याहू ने व्यक्तिगत रूप से एयरपोर्ट पर मौजूद रहकर उनका स्वागत किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में भारत और इजरायल के संबंधों में उल्लेखनीय गहराई आई है। दोनों देशों के बीच रक्षा, तकनीक और रणनीतिक साझेदारी के क्षेत्र में सहयोग लगातार बढ़ा है। इस यात्रा में रक्षा सहयोग प्रमुख एजेंडा माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार इजरायल ने अपनी प्रसिद्ध ह्यआयरन डोमह्न वायु रक्षा प्रणाली की तकनीक भारत के साथ साझा करने और ट्रांसफर करने का प्रस्ताव दिया है। माना जा रहा है कि भारत इसे अपने स्वदेशी ह्यसुदर्शन चक्रह्न कार्यक्रम के साथ जोड़ सकता है, जिससे कम दूरी के हवाई खतरों से सुरक्षा और मजबूत होगी। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग पहले से ही मजबूत रहा है। 2026 तक लगभग 8.6 अरब डॉलर के रक्षा सहयोग का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद फ्रांस के बाद इजरायल भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन सकता है। ड्रोन तकनीक और आधुनिक निगरानी प्रणालियों में इजरायल की विशेषज्ञता से भारत को पहले भी सामरिक बढ़त मिली है। रक्षा के अलावा साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा होने की संभावना है। यरुशलम में एक संयुक्त इनोवेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें इजरायल की हाई-टेक क्षमता और भारत की बड़े पैमाने पर क्रियान्वयन दक्षता को जोड़ने की योजना है। आर्थिक मोर्चे पर भी यह यात्रा अहम मानी जा रही है। 2025 में हुए द्विपक्षीय निवेश समझौते के बाद अब मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत को गति देने पर जोर रहेगा। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी इजरायल की संसद ह्यकेनेस्सेटह्न को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री भी बनेंगे।

त्सोमगो झील के पास फंसे 2,700 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित बचाया गया

गंगटोक, (एजेंसी)। पूर्वी सिक्किम में मौजूद त्सोमगो झील (चांगू झील) के पास भारी बर्फबारी के कारण फंसे 2,700 से अधिक पर्यटकों को सुरक्षित बचाया गया है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि शेराथांग और आसपास के ऊंचाई वाले इलाकों में तेज हिमपात से सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध हुई थीं। हालात इतने खराब थे कि ह्य15वें मीलह्न से त्सोमगो झील के बीच का संपर्क कट गया और कुल 541 पर्यटक वाहन बर्फ में फंस गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इन वाहनों में सवार 2,736 पर्यटक कठिन परिस्थितियों में फंसे हुए थे। शून्य से नीचे तापमान (सब-जीरो) और कम दृश्यता के बीच राहत एवं बचाव दलों ने समन्वित अभियान चलाया। यह रेस्क्यू ऑपरेशन मंगलवार देर रात तक जारी रहा। प्रशासन, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से सभी वाहनों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया और सभी पर्यटकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। बर्फबारी इतनी तीव्र थी कि सड़क पर चलना तक मुश्किल हो गया था। कई स्थानों पर बर्फ की मोटी परत जमने से वाहन फिसल रहे थे और यातायात पूरी तरह ठप हो गया था। ऐसे में राहत दलों ने प्राथमिकता के आधार पर पर्यटकों को सुरक्षित निकालने का काम किया। घटना के बाद सिक्किम पर्यटन विभाग ने पर्यटकों और टूर ऑपरेटरों के लिए सख्त एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने कहा है कि यात्रा से पहले मौसम विभाग के अलर्ट अवश्य जांचें। बर्फबारी वाले क्षेत्रों में टायरों पर ह्यस्नो चेनह्न का उपयोग अनिवार्य रूप से करें ताकि वाहन फिसलने से बचें। साथ ही, वाहनों में पर्याप्त भोजन, गर्म कपड़े और आपातकालीन किट रखना जरूरी है। यह घटना पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम की अनिश्चितता और सावधानी की अहमियत को रेखांकित करती है।

खास / खबरे

कांग्रेस पार्टी अपने युवा निडर सिपाहियों के साथ खड़ी : प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस द्वारा इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शर्मनाक करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने युवा निडर सिपाहियों के साथ खड़ी है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट कर लिखा कि सत्य के लिए शांतिपूर्ण एवं अहिंसक प्रतिरोध हमारी गौरवशाली विरासत है जो हमें महात्मा गांधी और लाखों-करोड़ों भारतीय पूर्वजों से मिली है। दुनिया भर के दबाव में झुककर, भारत के हितों से समझौता करने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में 140 करोड़ भारतवासियों का हित है। जनता की आवाज उठाने के लिए युवा कांग्रेस के साथियों पर कार्रवाई अत्यंत निंदनीय एवं शर्मनाक है। दरअसल यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने नाराजगी जाहिर की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जो लोग जनता के लिए आंदोलन कर रहे हैं, जो आम लोगों की आवाज उठा रहे हैं, जो किसानों की आवाज उठा रहे हैं, केंद्र सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि अगर सरकार का विरोध करना जुर्म है, तब कांग्रेस का हर व्यक्ति यह जुर्म बार-बार करेगा। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मां रजनीबाला ने कहा कि चिब को सोमवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रदर्शन को साजिश बताया, लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा है कि देश में विरोध करना कब से साजिश होने लगा। संविधान में हमें हक दिया गया है कि अगर सरकार कोई गलत काम करे, तब आवाज बुलंद करें। रजनीबाला ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि लोग 10-10 साल तक जेल में रहे। कांग्रेस नेताओं की बड़ी कुर्बानियों के बाद देश को आजादी मिली है।

आईआरसीटीसी की ई-पेंट्री मील बुकिंग सर्विस को मिले 65 हजार से ज्यादा आर्डर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ट्रेन में सफर करने वाले यात्री अपना मील चुनते हैं। इन्हीं यात्रियों की पसंद को समझते हुए आईआरसीटीसी ने आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें बताया गया है कि ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में से यात्रियों को सबसे ज्यादा कौन सा मील पसंद आता है। वंदे भारत, शताब्दी और राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में टिकट के साथ ही मील बुक करने का विकल्प दिया जाता है और इनमें पेंट्री कार नहीं होती। यहां आईआरसीटीसी के बेस किचन से खाना पहुंचाया जाता है। दूसरी ओर कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में पेंट्री कार मौजूद होती है, जहां से ऑर्डर पर यात्रियों को भोजन सर्व किया जाता है। हालांकि लंबी दूरी की उन ट्रेनों में समस्या आती है, जिनमें पेंट्री कार नहीं होती है। ऐसी परेशानी को दूर करने के लिए आईआरसीटीसी ने अप्रैल 2025 में ह्यई-पेंट्री मील बुकिंग सर्विसह्न शुरू की थी, जिसने यात्रियों को काफी राहत दी है। यह सेवा सबसे पहले विवेक एक्सप्रेस में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की गई थी और सफल परीक्षण के बाद इसे 25 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में लागू किया गया। ई-पेंट्री के तहत यात्री अपनी पसंद का भोजन पहले से ऑनलाइन बुक कर सकते हैं, जो तय समय पर उनकी सीट तक पहुंचा जाता है। मीडिया रिपोर्ट में आईआरसीटीसी के मुताबिक सेवा शुरू होने के बाद अब तक 65,000 से ज्यादा मील बुक हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा बुकिंग लंच की रही, जिसकी संख्या 15,000 से ज्यादा है। इसके बाद ब्रेकफास्ट और डिनर का नंबर आता है, जिनके 17,000 से ज्यादा आॅर्डर सामने आए, जबकि मॉर्निंग और इवनिंग टी के 8,000 से ज्यादा ऑर्डर आए। सबसे ज्यादा मील बुक करने वाली ट्रेन निजामुद्दीनझ्रबेंगलुरू संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रही, जिसमें करीब 8,300 ऑर्डर आए। दिसंबर 2025 में ई-पेंट्री के तहत सबसे ज्यादा यानी 16,500 मील बुक किए गए। यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर टिकट बुकिंग करते समय ई-पेंट्री विकल्प चुन सकते हैं। यह सुविधा कंफर्म, आरएसी और वेटिंग टिकट धारकों के लिए भी उपलब्ध है। बुकिंग के बाद मिलने वाला मील वेरिफिकेशन कोड यात्री को भोजन प्राप्त करते समय दिखाना होता है, ताकि सही व्यक्ति तक भोजन पहुंच सके। यदि किसी कारण से भोजन नहीं मिलता है, तो यात्री को पूरा रिफंड दिया जाता है। आईआरसीटीसी की यह पहल साबित कर रही है कि तकनीक के सहारे ट्रेन यात्रियों का सफर और ज्यादा सुविधाजनक और सहज बनाया जा सकता है।

आशुतोष ब्रह्मचारी का दावा, उनके पास पुख्ता सबूत दोनों को जेल जाने से कोई नहीं रोक सकता

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में एडीजे पॉक्सो कोर्ट के आदेश पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ यौन शोषण की एफआईआर दर्ज हुई है। मामले में वादी आशुतोष ब्रह्मचारी ने बयान जारी कर दावा किया कि उनके पास पुख्ता सबूत हैं जो आरोपियों को जेल पहुंचाएंगे। उन्होंने पुलिस अधिकारी के साथ अपनी वायरल फोटो को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से बनी फर्जी तस्वीर बताया। यह कानूनी विवाद नाबालिग शिष्यों के शोषण के आरोपों और एक-दूसरे के आपराधिक इतिहास को लेकर शुरू हुआ है। वहीं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आशुतोष को आपराधिक रिकॉर्ड वाला व्यक्ति बताया था। इसके जवाब में आशुतोष ने चुनौती दी है कि स्वामी कोई भी ऐसा अदालती सबूत पेश करें जो उन्हें अपराधी साबित कर दें। आशुतोष का कहना है कि उनके खिलाफ 21 मुकदमों की जो सूची वायरल हुई है, वह पूरी तरह फर्जी है और पुलिस ने भी ऐसी किसी सूची की पुष्टि नहीं की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह खुद पीड़ित नहीं बल्कि केवल एक सूचनाकर्ता हैं जो बटुकों (बच्चों) को न्याय दिलाना चाहते हैं। बातचीत के दौरान आशुतोष ब्रह्मचारी ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर निशाना साधा और अविमुक्तेश्वरानंद की तुलना कालनेमी से की। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वामी एक डिप्टी सीएम के इशारे पर माघ मेला में धरने पर बैठे थे, जिसकी जांच के लिए डीजीपी को पत्र भेजा गया है। आशुतोष ने घोषणा की है कि वे जल्द ही सनातन न्याय यात्रा निकलने वाले हैं, ताकि स्वामी की असलियत जनता के सामने ला सकें। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ गवाहों को डराया जा रहा है और झूठी साजिशें रची जा रही हैं। बीते शुक्रवार को एडीजे पॉक्सो कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मुकुंदानंद के वकील ने 104 पेज का एफिडेविट दाखिल किया। इसमें आशुतोष पर 27 मुकदमे होने का दावा करते हुए पॉक्सो एक्ट की धारा 22 और 23 के तहत कार्रवाई की मांग की गई।

दिल्ली के कश्मीरी गेट पर लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम की कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग, एक घायल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली का कश्मीरी गेट इलाका मंगलवार रात गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठा। आईएसबीटी के पास स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के सामने बेखौफ बदमाशों ने एक कार को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की। कार में सवार पांच लोगों में से एक ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम का वकील होने का दावा किया है। इस जानलेवा हमले में कार सवार एक युवक को दो गोलियां लगी हैं, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हमलावरों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह वारदात रात करीब 10:30 बजे की है। कार में सवार अधिवक्ता दीपक खत्री अपने सहयोगियों और संदीप नामक शख्स के साथ हनुमान मंदिर में दर्शन करने आए थे। जैसे ही दर्शन करने के बाद सभी लोग कार में बैठे और ड्राइवर ने गाड़ी आगे बढ़ानी शुरू की, तभी अज्ञात बदमाशों ने कार पर पीछे से धावा बोल दिया। बदमाशों ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग की, जिससे कार का पिछला शीशा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इस हमले में पीछे की सीट पर बैठे संदीप को कंधे के पास दो गोलियां लगीं। गोलियां चलने से मौके पर भगदड़ मच गई, जिसका फायदा उठाकर हमलावर फरार होने में कामयाब रहे। वारदात के समय कार के ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय दिया और घबराने के बजाय कार की रफ्तार बढ़ाकर उसे सुरक्षित स्थान की ओर ले गया। ड्राइवर कार को सिविल लाइंस स्थित मेडन होटल के सामने ले जाकर रुका और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही उत्तर जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। घायल संदीप को तुरंत अरुणा आसफ अली अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। कार में सवार दीपक खत्री ने पुलिस को बताया कि वह लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम का हिस्सा है और अदालतों में उसकी पैरवी करता है। पुलिस फिलहाल दीपक के इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या यह हमला किसी गैंगवार का हिस्सा है या इसके पीछे कोई और रंजिश है। सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा एक कथित वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त है और सड़क पर बैठा एक युवक दर्द से कराह रहा है, जिसके कंधे पर गहरे जख्म नजर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे आईएसबीटी और हनुमान मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रहे हैं ताकि बदमाशों के भागने के रास्ते और उनकी पहचान का सुराग मिल सके। दिल्ली पुलिस ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की हैं और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर दिल्ली की कानून व्यवस्था और सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

45 साल से पारिवारिक पेंशन के लिए महिला लगा रही चक्कर, कोर्ट ने अफसरों को लगाई फटकार

प्रयागराज, (एजेंसी)। एक महिला के पारिवारिक पेंशन के लिए 45 साल तक दफ्तरों के चक्कर लगाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए कानपुर नगर निगम के अधिकारियों को फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने एक सप्ताह में इस मामले का निराकरण करने का आदेश दिया है। याची मंजू राय की ओर से दाखिल याचिका की सुनवाई जस्टिस विक्रम डी चौहान की सिंगल बेंच में हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दरअसल याचिकाकर्ता महिला के पिता नगर निगम में कर्मचारी थे। वह वर्ष 1975 में सेवानिवृत्त हुए और 1980 में उनका निधन हो गया। सेवाकाल और सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें नियमित पेंशन मिलती रही, लेकिन उनकी मृत्यु के बाद जब परिवार ने पारिवारिक पेंशन के लिए प्रार्थना पत्र दिया तो विभाग ने फाइलों में अड़ंगा लगा दिया। विवाद का कारण नाम की स्पेलिंग में त्रुटि थी। विभागीय सर्विस रिकॉर्ड में याची के पिता का नाम शिखर नाथ शुक्ल दर्ज था, जबकि प्रार्थना पत्र और कुछ दस्तावेजों में शेखर नाथ शुक्ल लिखा गया था। इस कारण अंग्रेजी में लिखे नाम से ह्यआईह्न और ह्यईह्न का अंतर आ गया। इसे आधार बनाकर विभाग ने पारिवारिक पेंशन देने से इनकार कर दिया। यह मामला 45 साल तक लटका रहा। याचिका में कहा गया कि याची के पिता के नाम की स्पेलिंग में एक अक्षर का अंतर है, इसके लिए शपथ-पत्र भी दिया है। कोर्ट ने कहा कि याची ने पहचान साबित करने के लिए हलफनामा, सक्सेशन सर्टिफिकेट और अन्य पुख्ता दस्तावेज पेश किए, जिनसे यह प्रमाणित हुआ कि दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। इस पर कोर्ट ने एक सप्ताह के अंदर मामले का निस्तारण करने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि आदेश का पालन न किया गया तो 26 फरवरी को अगली सुनवाई पर नगर आयुक्त को हाजिर होकर स्पष्टीकरण देना होगा।

शेख हसीना की दहाड़ कहा- जल्द बांग्लादेश लौटेंगे और सड़कों पर संघर्ष भी करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने महीनों की खामोशी के बाद एक ऐसा कदम उठाया है जिसने ढाका के सियासी गलियारों में हलचल तेज कर दी है। जुलाई 2024 के तख्तापलट और हिंसक विद्रोह के बाद भारत में शरण लेने वाली शेख हसीना ने अब अपने वतन लौटने की तैयारी का स्पष्ट संकेत दे दिया है। दिल्ली से अपनी पार्टी, आवामी लीग के नेताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद करते हुए उन्होंने कार्यकताओं और पदाधिकारियों से मानसिक और शारीरिक रूप से संघर्ष के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा, बोरिया-बिस्तर बांध लो, अब देश लौटने और मैदान में उतरने का वक्त आ गया है। शेख हसीना का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उन पर कई गंभीर मुकदमे दर्ज किए हैं और उनकी पार्टी पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। दिल्ली में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान हसीना ने न केवल अपनी वापसी का संकल्प दोहराया, बल्कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की वैधता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने अपनी पार्टी पर लगाए गए प्रतिबंधों को पूरी तरह अवैध करार देते हुए कहा कि जो सरकार खुद गैर-कानूनी तरीके से सत्ता में आई है, उसके आदेशों का कोई संवैधानिक महत्व नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आवामी लीग पर से प्रतिबंध नहीं हटाया गया, तो पार्टी अपनी रणनीति खुद तय करेगी और कड़े कदम उठाएगी। पूर्व प्रधानमंत्री ने हाल ही में बांग्लादेश में संपन्न हुए चुनावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे एक मजाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि जनता ने बड़े पैमाने पर वोटिंग का बहिष्कार किया था और प्रशासन द्वारा जारी किए गए 60 प्रतिशत मतदान के आंकड़े पूरी तरह फर्जी हैं। हसीना ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले ही बैलेट बॉक्स भर दिए गए थे ताकि उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर रखा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तारिक रहमान के प्रभाव वाली व्यवस्था को चुनौती देते हुए कहा कि आवामी लीग के साथ घोर नाइंसाफी हुई है।

शेख हसीना के इस कड़े रुख ने ढाका की अंतरिम सरकार और विपक्षी दलों की चिंता बढ़ा दी है। उनके समर्थकों के लिए यह बयान एक संजीवनी की तरह देखा जा रहा है, वहीं विरोधियों का मानना है कि उनकी वापसी से देश में फिर से अस्थिरता पैदा हो सकती है। शेख हसीना ने अपने संबोधन के अंत में कार्यकताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर सड़कों पर उतरें और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष करें। अब देखना यह है कि इस एलान के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार क्या कूटनीतिक और कानूनी कदम उठाती है।

असम में युवती से हैवानियत, 7 लोगों ने किया दुष्कर्म, 10 हजार ट्रांसफर करा लिए

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कछार जिले से एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां सिलचर शहर के पास घूमने आई एक 28 वर्षीय युवती के साथ सात लोगों ने कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने न केवल इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया, बल्कि पीड़िता को डरा-धमकाकर जबरन पैसे भी वसूले। पुलिस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह दर्दनाक घटना 19 फरवरी की है। पीड़िता उस समय अपने एक पुरुष मित्र के साथ सिलचर कस्बे से कुछ किलोमीटर दूर बाईपास रोड पर कार में मौजूद थी। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि उसी दौरान एक एसयूवी में सवार होकर कुछ लोग वहां पहुंचे और उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने पहले उनके निवास के बारे में पूछताछ की और फिर अचानक युवती और उसके मित्र को पकड़ लिया। आरोप है कि करीब सात पुरुषों ने पीड़िता के मित्र के सामने ही बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसे धमकाकर उनमें से एक के बैंक खाते में 10,000 रुपये ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर अनिवार्य चिकित्सा परीक्षण कराया गया और उसका बयान दर्ज किया गया है। सिलचर सदर पुलिस थाना में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनमें सामूहिक दुष्कर्म (धारा 70(1)), डकैती (धारा 310(2)), जान से मारने की धमकी देकर वसूली (धारा 308(5)), और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने (धारा 79) जैसी धाराएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि पीड़िता द्वारा पहचाने गए दो व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है। इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब मंगलवार को एक स्थानीय पत्रकार पर आरोपियों के परिजनों ने हमला कर दिया। पत्रकार का दावा है कि उन्हें नेशनल हाईवे रोड पुलिस थाना के पास रोका गया और खबर कवर करने को लेकर उनकी पिटाई की गई। इस घटना के बाद मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जनप्रतिनिधियों ने भी कड़ा रुख अपनाया है। राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने कछार जिले के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर मामले में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी मांगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के गंभीर अपराध को दबाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

एक नजर

भागलपुर में 27 फरवरी से शुरू होगा इंटर कॉपियों का मूल्यांकन

दैनिक बिहार पत्रिका, भागलपुर

जिले में इंटरमीडिएट परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारी अंतिम चरण में है। मूल्यांकन कार्य 27 फरवरी से प्रारंभ होगा। इस कार्य में लगाए गए परीक्षकों को निर्धारित समय पर संबंधित केंद्रों पर योगदान देना होगा। जिला प्रशासन द्वारा शहर में छह केंद्र बनाए गए हैं। इनमें नवस्थापित जिला स्कूल, झुनझुनवाला बालिका विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, क्राइस्ट चर्च स्कूल, टीएनबी कॉलेजिएट एवं मिरजानहाट स्कूल शामिल हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मूल्यांकन कार्य सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाएगा, ताकि समय पर परिणाम जारी किया जा सके। अधिकारियों ने परीक्षकों को समय पर उपस्थित होकर निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है।

भागलपुर में साइबर जागरूकता अभियान, पुलिस सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका , भागलपुर

पुलिस सप्ताह के अवसर पर बुधवार को साइबर थाना भागलपुर द्वारा औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना क्षेत्र अंतर्गत साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान आमजनों को साइबर अपराध के विभिन्न प्रकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड, ओटीपी शेयरिंग, डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों के प्रति लोगों को सचेत किया गया। साथ ही साइबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए आपात स्थिति में 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने तथा राष्ट्रीय साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया समझाई गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। भागलपुर पुलिस ने आमजनों से अपील की कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

ईमामी हेल्दी एंड टेस्टी फ्रेश चक्की आटा, मैदा, सूजी और बेसन को पेश करते हुए

दैनिक बिहार पत्रिका

गुणवत्ता, भरोसा और हर खाद्य में स्वाद की खुशियों के साथ अगले 3-5 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य संबंधी उत्पादों की बिक्री में रु. 2000 करोड़ का लक्ष्य तय किया है कोलकाता, फरवरी, 2026 - ईमामी एग्रोटेक लिमिटेड, रु. 30,000 करोड के ईमामी ग्रुप की रु. 20,000 करोड़ की खाद्य तेल, खाद्य और बायो-डीजल उत्पादन कंपनी है। इस संस्था ने आज ईमामी हेल्दी एंड टेस्टी फ्रेश चक्की आटा, मैदा, सूजी और बेसन को पेश करते हुए बिहार और झारखंड के ब्रांडेड स्टेपल्स बाजार में अपने प्रवेश की घोषणा की है। इस कंपनी ने ब्रांडेड स्टेपल्स कैटेगरी के जरिये रसोई के आवश्यक सामानों के बाजार में यह विस्तार किया है। भारत में ब्रांडेड स्टेपल्स का बाजार लगभग रु. 80,000 करोड़ से भी अधिक का है। अगले 3-5 वर्ष तक पूरे देश के खाद्य बाजार में रु. 2,000 करोड़ से भी अधिक के कंपनी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह विस्तार किया गया है। कंपनी ने पिछले वर्ष ही बंगाल के स्टेपल्स बाजार में प्रवेश किया है। कंपनी के फूड बिजनेस को अपने कुशल नेतृत्व से संभालने वाले श्री विभास वी. अग्रवाल, डायरेक्टर, ईमामी ग्रुप ने कहा ह्लयह सिर्फ किसी कैटेगरी में प्रवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सोच समझकर लिया गया फैसला है। हम हर भारतीय के रोज के जीवन को गुणवत्ता, भरोसा और किफायती कीमतों के उत्पाद के साथ ह्यस्वाद की खुशियोंह्ण से भर देना चाहते हैं।ह्व श्री अग्रवाल ने आगे कहा ह्लखाद्य का महत्व सिर्फ. खाने तक नहीं है - इसके साथ भावनाएं जुड़ी हुई हैं। इस उत्पाद की शुरूआत के साथ हम पैंट्री सहित भारतीय रसोई में भी अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। हम खाद्य से जुड़ी रोज की परंपरा, पारिवारिक भोजन और आहार से संबंधित भावनात्मक बंधन का एक अहम हिस्सा बनना चाहते हैं।

प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना₹ द्वारा सोलर मेला 2026 का आयोजन किया गया

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।हरिदास सेमीनारी इंटर कॉलेज गया जी के प्रेक्षागृह में ₹प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना₹ अंतर्गत रूफ टॉप सोलर प्रणाली के अधिक से अधिक इस्तेमाल और अधिस्थापन संबन्धित जागरूकता फैलाने के लिए एक सोलर मेला 2026 का आयोजन किया गया है जिसका शुभारंभ शशांक शुभंकर, जिला पदाधिकारी गया जी, संदीप प्रकाश, विद्युत अधीक्षण अभियंता विद्युत आपूर्ति अंचल गया और अभिषेक पलासिया नगर आयुक्त गयाजी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया है ।इस कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी गया जी ने उपस्थित विद्युत उपभोक्ताओं विभिन्न सोलर वेंडरों के प्रतिनिधियों एवं जनसमूहों को संबोधित करते हुए सोलर प्रणाली की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को बिजली के भारी-भरकम बिल से मुक्ति दिलाना और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि गया जिले में तेजी से लोग अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवा रहे हैं। कई परिवार ऐसे हैं जो अब अपने खपत के अतिरिक्त सोलर यूनिट उत्पादन कर बिजली ग्रिड में दे रहे है और अपना बिजली बिल शुन्य कर रहे है। विद्धुत अधीक्षण अभियंता विद्धुत आपूर्ति अंचल गयाजी ने उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए बताया कि सरकार की इस योजना अंतर्गत कुटीर ज्योति बिजली उपभोक्ताओ को 1.1 के डब्लू का मुफ्त सोलर पैनल लगाया जाना है जिसके लिए सभी कुटीर ज्योति उपभोक्ताओ को सुविधा ऐप के माध्यम से बस अपनी सहमति देनी है। सोलर समागम कार्यक्रम में 15 सोलर वेंडरों ने अपने स्टाल के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को सोलर प्रणाली लगाने के तरीके अनुमानित खर्च एवं फायदा बताते हुए आम विद्युत उपभोक्ताओं के विभिन्न शंकाओ का समाधान किया है ।इस कार्यक्रम के दौरान कुछ वैसे सोलर उपभोक्ता जिनकी विद्युत विपत्र सोलर प्रणाली के इस्तेमाल के उपरांत शून्य आ रहा है के साथ-साथ कुछ अग्रणी सोलर वेंडरों को उनके प्रयास हेतु गिफ्ट एवं प्रशंसा प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित किया गया है ।इस सोलर समागम कार्यक्रम में विद्धुत कार्यपालक अभियंता, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं मीडिया कर्मी, विद्युत विभाग के कर्मचारी,पदाधिकारी, सोलर उपभोक्ताओ एवं अन्य विद्युत उपभोक्ता भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंत में उपस्थित समूह का धन्यवाद ज्ञापन विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल मानपुर अजय कुमार ने किया।

खगड़िया में 25—26 फरवरी को भूकम्प परिदृश्य आधारित दो दिवसीय मॉक ड्रिल

टेबल टॉप एक्सरसाइज से लेकर फील्ड अभ्यास तक, 13 कोषांगों का गठन; अइडउ रहेगा सक्रिय

ब्यूरो रिपोर्ट, दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया । आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना के निर्देश एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण , नई दिल्ली द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत खगड़िया जिले में 25 एवं 26 फरवरी को भूकम्प परिदृश्य आधारित दो दिवसीय मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जिला प्रशासन ने संयुक्तादेश जारी कर सभी संबंधित विभागों, पदाधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर दी है। प्रथम दिवस : टेबल टॉप एक्सरसाइज 25 फरवरी को प्रातः 9 बजे से अपराह्न 4 बजे तक समाहरणालय सभागार में ह्लटेबल टॉप एक्सरसाइजह्व आयोजित होगी। इस अभ्यास में विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी काल्पनिक भूकम्प की स्थिति में आपसी समन्वय, संसाधन प्रबंधन, त्वरित सूचना आदान-प्रदान एवं राहत-बचाव रणनीति की समीक्षा करेंगे। द्वितीय दिवस : फील्ड मॉक एक्सरसाइज 26 फरवरी को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक जिले के चिन्हित स्थलों पर वास्तविक परिस्थितियों का अभ्यास किया जाएगा। चयनित स्थलों में जवाहर इंटर विद्यालय, महेशखूँट (गोगरी) प्रखंड कार्यालय, गोगरी सदर अस्पताल, खगड़िया ऑफिसर कॉलोनी, संसारपुर कोशी कॉलेज, खगड़िया इन स्थानों पर खोज एवं बचाव घायलों को प्राथमिक उपचार, एम्बुलेंस द्वारा अस्पताल पहुंचाना, भीड़ नियंत्रण, राहत शिविर संचालन एवं विधि-व्यवस्था संधारण जैसे कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र रहेगा सक्रिय समाहरणालय स्थित जिला

आपातकालीन संचालन केंद्र को मुख्य नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जहां से सभी गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। सूचना मिलते ही स्टेजिंग एरिया से राहत एवं बचाव दलों को प्रभावित स्थलों के लिए रवाना किया जाएगा। 13 कोषांगों का गठन मॉक ड्रिल को सफल बनाने के लिए 13 कोषांगों का गठन किया गया है, जिनमें हेलीबेस/हेलीपैड, मलवा सफाई एवं पुनर्वासन, सामुदायिक रसोई/राहत शिविर, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं स्वच्छता, मानव स्वास्थ्य, परिवहन, मीडिया मॉनिटरिंग एवं डॉक्यूमेंटेशन, पशु राहत शिविर, विधि-व्यवस्था सहित अन्य कोषांग शामिल हैं। राहत शिविर एवं स्वास्थ्य व्यवस्था कृषि उत्पादन बाजार समिति, खगड़िया को राहत शिविर एवं आश्रय स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। यहां निःशुल्क भोजन, शुद्ध पेयजल, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग शौचालय, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी। सिविल सर्जन कार्यालय के माध्यम से चिकित्सकीय दल, एम्बुलेंस एवं आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मीडिया मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान मीडिया मॉनिटरिंग कोषांग प्रत्येक दो घंटे पर अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएगा। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। जिलाधिकारी की अपील जिलाधिकारी, खगड़िया ने सभी पदाधिकारियों को दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता एवं समन्वय के साथ करने का निर्देश दिया है। साथ ही आम नागरिकों से मॉक ड्रिल के दौरान शांति बनाए रखने, प्रशासन का सहयोग करने एवं अफवाहों से दूर रहने की अपील की है।

छपरा में बंद पड़ी देसी शराब फैक्ट्री परिसर में भीषण आग

दैनिक बिहार पत्रिका , सारण

छपरा शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बिचला तेलपा स्थित चांदनी चौक के समीप मंगलवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उत्पाद विभाग की बंद पड़ी देसी शराब पैकेजिंग फैक्ट्री के परिसर में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और काले धुएं का गुबार दूर से ही आसमान में देखा जा सकता था। घटना के बाद आसपास की झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई और वे सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लंबे समय से बंद पड़े इस परिसर में सूखी झाड़ियां और पुराने अवशेष मौजूद थे, जिसने आग को तेजी से फैलने में मदद की। सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

छपरा सदर अंचल अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया 4–5 झुग्गियां आग से प्रभावित हुई हैं। हल्का कर्मचारी को मौके पर भेजकर वास्तविक क्षति का आकलन करने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर प्रभावितों को सरकार के नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस और अग्निशमन विभाग संयुक्त रूप से जांच कर रहे हैं कि आग दुर्घटनावश लगी या इसके पीछे किसी शरारती तत्व का हाथ है। उल्लेखनीय है कि उक्त परिसर में पूर्व में सरकारी देसी शराब का निर्माण एवं पैकेजिंग कार्य होता था, जो शराबबंदी के बाद से लंबे समय से बंद पड़ा है।

इनर व्हील क्लब आफ सनराइज द्वारा रंगारंग एवं उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

गया` इनर व्हील क्लब आफ सनराइज द्वारा होली के पावन अवसर पर रंगारंग एवं उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम क्लब की अध्यक्षा डॉ. निभा जयन के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ है। इस कार्यक्रम में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं और प्रेम, एकता एवं सौहार्द का संदेश दिया है। मधुर संगीत की धुनों पर सभी ने उत्साहपूर्वक नृत्य किया, जिससे वातावरण पूर्णतः आनंदमय और उत्सवमय बन गया है। इस कार्यक्रम को और भी रोचक बनाने के लिए श्रीमती मधु प्रिया एवं श्रीमती सुगंधा द्वारा विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। सभी सदस्यों ने खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम में विशेष उत्साह देखने को मिला है। इस अवसर पर डॉ. दीपशिखा, डॉ. तेजस्वी नंदन, डॉ. मानसी, डॉ. मोनिका, डॉ. लवली,

पल्लवी, प्रेरणा, सोनम, प्रतिभा, श्वेता, स्वाति, डॉ. कृतिका, रिया, डॉ. आरती, अदिति, रश्मि, मेनका एवं सुमन की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ गई है। अध्यक्षा डॉ. निभा जयन ने अपने संबोधन में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने सभी को सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल होली मनाने का संदेश दिया है। इस कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ है, जिसमें सभी सदस्यों के सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया है

बच्चा चोरी की अफवाहों से घबराना नहीं, तुरंत सूचना दें : एसपी शरथ आरएस

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल. जिले में फैल रही बच्चा चोरी की अफवाह को लेकर सुपौल पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने आम नागरिकों से सतर्क व जागरूक रहने की अपील की है. पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने कहा कि किसी भी अपुष्ट सूचना या अफवाह पर विश्वास नहीं करें. कानून को अपने हाथ में लेने से बचें. उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति पर बच्चा चोरी करने का संदेह हो, तो स्वयं कार्रवाई करने के बदले तत्काल इसकी सूचना निकटतम थाना, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुपौल अथवा आपातकालीन सेवा डायल 112 पर दें. पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने सोशल मीडिया या मौखिक रूप से फैल रही भ्रामक खबरों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है. अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी भी दी गयी है. पुलिस ने भरोसा दिलाया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही त्वरित जांच कर उचित कानूनी कदम उठाया जायेगा. पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अफवाह समाज में भय और अराजकता का माहौल पैदा करती है. सभी नागरिक जिम्मेदारी का परिचय दें और शांति व कानून-व्यवस्था बनाने में प्रशासन का सहयोग करें.

मधेपुरा में सिगरेट मांगने पर विवाद, दुकानदार को गोली मारकर बदमाश फरार

कॉलेज चौक के पास देर रात वारदात, हालत गंभीर; पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही

दैनिक बिहार पत्रिका मधेपुरा

मधेपुरा शहर के कॉलेज चौक पेट्रोल पंप से पूरब इलाके में मंगलवार देर रात अपराधियों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए एक किराना दुकानदार को गोली मार दी। सिगरेट व गुटखा नहीं देने पर बदमाशों ने दुकानदार के मुंह में गोली दाग दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका इलाज सहरसा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घायल की पहचान मधेपुरा निवासी 35 वर्षीय पिंटू केशरी, पिता हरिहर केशरी, के रूप में हुई है। वे टीपी कॉलेज के पास पिछले 12 वर्षों से किराना दुकान चला रहे हैं। परिजनों के अनुसार, मंगलवार रात करीब 12 बजे वह दुकान बंद कर घर जाने की तैयारी में थे, तभी बाइक सवार अपराधी पहुंचे और सिगरेट व गुटखा की मांग की। दुकान बंद होने की बात कहकर मना करने पर कहासुनी हुई और गुस्साए

अपराधियों ने नजदीक से गोली मार दी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। घटना के समय दुकान पर उनके भाई पप्पू केशरी और स्टाफ शाहनवाज भी मौजूद थे। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को पहले मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सहरसा रेफर किया गया। डॉक्टरों के अनुसार गोली निकाल दी गई है, लेकिन उनकी स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि रात करीब 12 बजे बाइक सवार अपराधियों ने पहले सिगरेट और गुटखा की मांग की थी। मना करने पर विवाद हुआ और गोली चला दी गई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है तथा तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है। घटना के बाद स्थानीय दुकानदारों में आक्रोश है। उन्होंने देर रात सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। शहर के व्यस्त इलाके में इस वारदात ने पुलिस गश्ती व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

महामूर्ख सम्मेलन के स्वर्ण जयंती वर्ष को लेकर पत्रकार नगर में संयुक्त बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका पत्रकार नगर, खगड़िया

पत्रकार नगर स्थित मछली भवन परिसर में सामाजिक-राजनीतिक कार्यकताओं, बुद्धिजीवियों एवं स्वयंसेवियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महामूर्ख सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष अरुण वर्मा ने की, जबकि संचालन फरकिया मिशन देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। बैठक की शुरूआत ह्लस्वास्थ्य बचाओ, जीवन बचाओ, तनाव मिटाओ, बीमारी भगाओ, महामूर्ख बनाओ, देश बचाओह्व जैसे नारों के साथ हुई। सम्मेलन की ऐतिहासिक सफलता और 50वें वर्ष के आयोजन को भव्य बनाने के लिए विस्तृत चर्चा कर कई महत्वपूर्ण

निर्णय लिए गए। निर्णय के अनुसार इस वर्ष झांकी, स्मारिका प्रकाशन, कवि गोष्ठी, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, एकांकी नाटक, भगैत, बिरहा, चैता, प्राती, झूमर, सामा-चकेवा, जट-जट्टिन, पारंपरिक लोकगीत-संगीत व नृत्य सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अरुण वर्मा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी बेहतरीन कार्यक्रम आयोजित कर महामूर्ख सम्मेलन अपने 50वें वर्ष का सफलतापूर्वक स्वर्णिम सफर पूरा करेगा। कार्यक्रम में कलाकार, कवि, लेखक, पत्रकार, समाजसेवी एवं प्रशासनिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में भाग लेंगे। किरण देव यादव ने कहा कि यह कार्यक्रम तनाव मुक्ति और सामाजिक सौहार्द का अनूठा आंदोलन है, जो जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने इसे फरकिया क्षेत्र, बिहार और देश स्तर की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए इसके संरक्षण व संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में डॉ. रविंद्र कुमार, पंकज मिश्रा, गुड्डू ठाकुर, दिनेश यादव, रंजीत यादव, हरिबल्लभ पासवान, सरजीत कुमार, शुभम कुमार, आर्यन कुमार, प्रताप राज, गुड्डू संजय कर्ण सहित अन्य लोगों ने तन-मन-धन से सहयोग का संकल्प दोहराया। समाजसेवियों ने कहा कि आर्थिक चुनौतियों के बावजूद सम्मेलन का सफल आयोजन मिसाल रहा है। उन्होंने प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से भी अपेक्षित सहयोग की मांग की। अंत में अरुण वर्मा ने सभी से आपसी मतभेद भुलाकर कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की।

नगर विकास विभाग द्वारा पन्द्रह लाख से कम की योजना चालू करने की मांग - दिपक चंद्रवंशी

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार के पत्रांक 2390 दिनांक 25/02/2026 के आदेशानुसार नगर निकायों मे 15 पंद्रह लाख से कम की जो योजनाओं जो विभागीय रूप से संचालित हो रही थीं, उसको आज से तत्काल बंद कर दिया गया है, परन्तु सरकार को सिर्फ नगर निकायों मे हीं गलत नजर आता है, जब बंद करना है तो सांसद निधि, विधायक निधि मे भी जो विभागीय कार्य जो बिना निविदा के होते है, उसको भी साथ हीं साथ बंद कर दिया जाय, अगर निकाय क्षेत्रों मे कोई पुल, पुलिया, कलभर्ट, जाली को अगर तत्काल लगाना हो तो टेंडर प्रक्रिया मे जाना होगा, तभी वह होगा, जिसमे काफी समय लगेगा। मै सरकार से अनुरोध करता हूँ की सभी को एक नजर से देखें, भेदभाव ना करें, जिसकी मैं कड़े शब्दो मे निंदा करता हूँ।

एक नजर

छोटे हाथ, बड़े सपनों के 22 साल — यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025

दैनिक बिहार पत्रिका

केजी से कक्षा 10 तक, 6,600 स्कूलों के युवा कलाकारों ने यह साबित किया कि रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं होती फरवरी, 2026 : नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के यूवा ने ह्यूवा मास्टरस्ट्रोकह्न के अपने 22वें संस्करण के सफल आयोजन की घोषणा की है। यह एक अखिल भारतीय ड्रॉइंग प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन अगस्त से दिसंबर के बीच किया गया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से केजी से लेकर कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों को ड्रॉइंग के जरिए अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने का मंच मिलता है। दो दशक से अधिक पहले शुरू हुई यह पहल आज एक व्यापक रचनात्मक मंच के रूप में स्थापित हो चुकी है। 2025 संस्करण को देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। इसमें भारत के 6,600 से अधिक स्कूलों के 20 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यह पहल केवल प्रतिभा को पहचान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य छात्रों के बीच ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहाँ वे कला की सार्वभौमिक भाषा के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को सहज रूप से अभिव्यक्त कर सकें। प्रतिभागियों को आयु के आधार पर तीन अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया था — ● ग्रुप ए : केजी से कक्षा 3 तक ● ग्रुप बी : कक्षा 4 से कक्षा 6 तक ●ग्रुप सी : कक्षा 7 से कक्षा 10 तक यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025 के प्रत्येक आयु समूह के विजेताओं की घोषणा आधिकारिक वेबसाइट पर की गई है झ जिला स्तर पर प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन श्री भारत पार्टे के मार्गदर्शन में किया गया। जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट से जुड़ी उनकी पृष्ठभूमि और वर्षों के अनुभव ने इस प्रक्रिया को विशेष गहराई दी। उन्होंने केवल चित्रों का मूल्यांकन ही नहीं किया, बल्कि प्रतियोगिता की समग्र भावना को भी एक नई दिशा दी। विजेता अपने-अपने क्षेत्रों में रचनात्मकता की सर्वोच्च झलक प्रस्तुत करते हैं। इन प्रतिभाशाली छात्रों तक पुरस्कार और आधिकारिक सम्मान समय पर पहुँचें, इसके लिए यूवा, स्कूल प्रशासन और स्थानीय सेल्स टीमों के साथ मिलकर लगातार काम कर रहा है। अब तक 40,000 से अधिक विजेताओं को उनके गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जा चुके हैं। के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से जिला स्तर के राउंड आयोजित किए गए थे। प्रत्येक स्कूल से चुनी गई सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों की गहन समीक्षा के बाद, यूवा ने हर जिले में प्रत्येक समूह से एक विजेता का चयन किया। इस अवसर पर यूवा के चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर अभिजीत सान्याल ने कहा, ह्लमास्टरस्ट्रोक बच्चों को अपनी रचनात्मकता पर गर्व करने का अवसर देता है। इस वर्ष 6,600 से अधिक स्कूलों के जुड़ने से पूरी पहल में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला। हम केवल चित्रों को नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के विचारों, सपनों और कलात्मक सोच को सामने ला रहे हैं।

चेन स्नैचिंग का खुलासा, चित्रगुप्तनगर पुलिस ने आरोपी को दबोचा

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया

जिले की चित्रगुप्तनगर पुलिस ने चेन स्नैचिंग मामले का खुलासा करते हुए एक स्नैचर को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चित्रगुप्तनगर थाना क्षेत्र के टीचर्स कॉलोनी निवासी अरुण कुमार के पुत्र शास्वत अनुराग के रूप में की गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से छीना गया चेन, मंगलसूत्र, एक बाइक एवं मोबाइल फोन बरामद किया है। थानाध्यक्ष चंद्रकांत कुमार ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध कांड संख्या 31/2026 के तहत मामला दर्ज है। इस संबंध में शहर के राजेंद्र नगर निवासी सुनील कुमार की पत्नी उषा कुमारी ने मंगलवार शाम प्राथमिकी दर्ज कराई थी। छापेमारी दल में एएसपी मुकुल कुमार रंजन, चित्रगुप्तनगर थानाध्यक्ष, ट्रेनी पुलिस अवर निरीक्षक आनंद राज, अजीत कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बसुआ में श्री मारुति महायज्ञ शुरू, 501 कन्याओं की कलश यात्रा से गूंजा गांव

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया

जिले के पसराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत सर्किल नंबर-1 के बसुआ ग्राम में श्री मारुति महायज्ञ एवं नवनिर्मित मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के साथ ही सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान हर्षोल्लास के साथ प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को भव्य आरती एवं रामलीला के साथ किया गया था। मेला अध्यक्ष सुबोध कुमार यादव, सचिव पंकज कुमार यादव, कोषाध्यक्ष राजेश राम एवं विनोद राम ने बताया कि आध्यात्मिक महोत्सव के अंतर्गत श्री 1008 लक्ष्मी नारायण मंदिर, श्री पंचमुखी हनुमान जी एवं श्री विश्वकर्मा भगवान की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा 28 फरवरी को संपन्न होगी। कार्यक्रम के तहत बुधवार को वीरवास धरना स्थल से 501 कुमारी कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा कलश में कोसी नदी का जल भरकर पूरे ग्राम पंचायत का भ्रमण किया गया और यज्ञ स्थल पर स्थापित किया गया। प्रतिदिन दोपहर में साध्वी वर्षा के मुखारविंद से राम कथा का आयोजन हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। महायज्ञ का समापन 2 मार्च को अष्टयाम एवं विशाल भंडारे के साथ होगा। इस अवसर पर श्री रामदास जी महाराज (बसुआ), श्री भगवान दास जी महाराज (हरिद्वार), श्री रूदल दास महात्यागी तथा पंडित विष्णुधर द्विवेदी (वाराणसी) सहित कई संत-महात्मा उपस्थित हैं।

कलवार सेवक समाज के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने सांसद डॉ संजय जायसवाल को दी बधाई, भारत संयुक्त अमीरात संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष बनने

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। कलवार सेवक समाज के चेयरमैन डॉ अरविन्द वर्मा ने भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सांसद डॉ संजय जायसवाल को भारत - संयुक्त अरब अमीरात संसदीय मैत्री संघ का अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आगे डॉ वर्मा ने मीडिया से कहा डॉ संजय जायसवाल की अध्यक्षता वाली इस मैत्री संघ में कुल ग्यारह सांसद हैं जिनमें डॉ संजय जायसवाल सांसद (लोक सभा)- अध्यक्ष, स्वाति मालीवाल सांसद (राज्य सभा), के वनलालमेना सांसद (राज्य सभा), उम्मीदा राम बेनीवाल सांसद (लोक सभा), महेन्द्र भट्ट सांसद (राज्य सभा), मोहिते पाटिल धैर्यशील राजसिंह सांसद (लोक सभा), वीरेन्द्र सिंह सांसद (लोक सभा), पी पी चौधरी सांसद (लोक सभा), शंकर लालवानी सांसद (लोक सभा), गुलाम अली सांसद (राज्य सभा) तथा लवली आनन्द सांसद (लोक सभा)। आगे डॉ अरविन्द वर्मा ने कहा लोक सभा सचिवालय, नई दिल्ली के डायरेक्टर एल वी रमणा ने विगत 23 फरवरी 2026 को पत्र जारी कर डॉ संजय जायसवाल, सांसद को सूचना निर्गत किया। डॉ संजय जायसवाल को अध्यक्ष बनने पर पूरे देश से निरंतर शुभकामनाएं मिल रही है। आगे डॉ वर्मा ने कहा बिहार सरकार के उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल तथा देश ही नहीं विदेश नेपाल मधेश राज्य सरकार के पूर्व खेल कूद एवं समाज कल्याण मंत्री प्रमोद जायसवाल ने भी डॉ संजय जायसवाल को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

गृह मंत्री बिहार के सीमांचल दौरा से पहले आदिल हसन ने दागे कई सवाल। कहां सिर्फ घुसपैठ का मुद्दा होगा या विकास।

दैनिक बिहार पत्रिका गया

सुपौलः एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट आदिल हसन ने भारत सरकार के माननीय गृह मंत्री से बिहार के सीमांचल दौरा से पहले दागे कई सवाल। कहां सीमांचल में सिर्फ घुसपैठ का मुद्दा होगा या विकास का आजादी 75 साल बाद भी सीमांचल दिल्ली और पटना में बैठी हुई सरकार नाइंसाफी की। उन्होंने भारत सरकार और बिहार सरकार को कोसते हुए कहा कि एम्पिरिकल डाटा उठा लीजिए, स्वास्थ्य के मामले में एजुकेशन के मामले में स्कूल के मामले में पुल पुलिया के मामले में हर मुद्दे पर सीमांचल फीखा रहा है सीमांचल के साथ नजर अंदाज किया जा रहा है, पटना में पांच मेडिकल कॉलेज सीमांचल में कुछ नहीं, दिल्ली चमक रहा है सीमांचल में कुछ नहीं। यही पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, अमौर बलरामपुर, कोचाधामन,कदुआ, बरारी बराहरी,मनिहारी को दिखाकर आईएमएफ सामने वर्ल्ड बैंक सामने नीति आयोग के सामने को दिखाकर दिखाया जाता है कि बहुत गुरबत है। सच है कि पूरा पैसा बिहार सरकार का पटना और नालंदा में लगता है, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री नालंदा में लगता है। जंगल सफारी राजगीर में हो रहा है। शिशा का पुल राजगीर में बन रहा है। बेला छपरा में रेल फैक्ट्री खुल रहा है मधेपुरा में रेल फैक्ट्री खुला लेकिन कटिहार पूर्णिया अररिया किशनगंज कब क्या मिलेगा। आदिल हसन ने प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री से जवाब मांगते हुए मांग की कि सीमांचल में मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की जाए, ताकि स्थानीय युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अन्य राज्यों की ओर पलायन न करना पड़े। साथ ही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के किशनगंज सेंटर के लिए पर्याप्त केंद्रीय फंड उपलब्ध कराया जाए, जिससे वहां शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार हो सके। उन्होंने सीमांचल क्षेत्र के लिए विशेष आर्थिक पैकेज, उद्योगों की स्थापना और रोजगार सृजन के लिए अलग से फंड देने की मांग की। इसके अतिरिक्त, सूरजपुरी समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में आरक्षण देने की भी अपील की, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को न्याय मिल सके। एआईएमआईएम प्रवक्ता ने कहा कि सीमांचल हर वर्ष भीषण बाढ़ की समस्या से जूझता है, जिससे जनजीवन और कृषि दोनों प्रभावित होते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से स्थायी बाढ़ राहत एवं नियंत्रण योजना लागू करने की मांग की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत सरकार सीमांचल के विकास और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक निर्णय लेगी। साथ ही आदिल हसन में सीमांचल क्षेत्र को विशेष दर्जा प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीमांचल क्षेत्र लंबे समय से शैक्षणिक, औद्योगिक और बुनियादी विकास के मामले में उपेक्षित रहा है, जिसे अब विशेष पैकेज और ठोस योजनाओं के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ना आवश्यक है।

होली को लेकर प्रशासन अलर्ट, गोगरी में शांति समिति की बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

गोगरी (खगड़िया)। होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर बुधवार शाम गोगरी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष परशुराम सिंह ने की। इसमें अंचलाधिकारी दीपक कुमार, नगर सभापति रंजीता कुमारी निषाद सहित कई गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने कहा कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। नगर सभापति रंजीता कुमारी निषाद ने लोगों से सौहार्दपूर्ण माहौल में होली मनाने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। थानाध्यक्ष परशुराम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है, इसलिए सभी समुदायों को आपसी भाईचारे और सद्भाव का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति जबरन किसी पर रंग डालता है या माहौल बिगाड़ने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि होली के दौरान डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आपसी सम्मान के साथ मनाया जाए।

माँ मथुरासिनी प्राण-प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ आज से

दैनिक बिहार पत्रिका गया

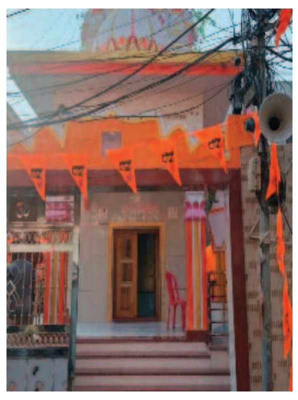

माहुरी वैश्य मंडल, गोसाईबाग (गुरुद्वारा रोड), गया के तत्वावधान में श्री श्री 1008 माँ मथुरासिनी प्राण-प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ 25 फरवरी से भव्य रूप से हो रहा है। यह पाँच दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान 1 मार्च तक चलेगा। आयोजन समिति ने शहर एवं आसपास के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ लेने की अपील की है। 25 फरवरीः जलयात्रा से शुभारंभ प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में बुधवार को भव्य जलयात्रा निकाली जाएगी। जलयात्रा माहुरी वैश्य मंडल, गोसाईबाग से प्रारंभ होकर बाटा मोड़, टेकारी रोड, गोल पत्थर, जी.बी. रोड, कोतवाली चौराहा, टावर चौक, रमना रोड होते हुए पितामहेश्वर घाट पहुँचेगी। वहाँ गंगा जल का विधिवत पूजन कर जल संग्रह किया जाएगा। वापसी में जेनिथ स्टूडियो, आजाद पार्क एवं ए.एन. रोड होते हुए पुनः मंडल भवन पहुँचेगी।

इसी दिन मंडप प्रवेश, शतचंडी पाठ आरंभ, कर्मकुटी जलाधिवास एवं नियमित पूजन-अर्चन की शुरूआत होगी। 26झ27 फरवरीः वैदिक अनुष्ठान व नगर भ्रमण 26 फरवरी को प्रातः 7 बजे से विशेष पूजा-अर्चना के साथ अरणी मंथन एवं अन्नाधिवास की विधि संपन्न होगी। 27 फरवरी को भव्य नगर भ्रमण एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें आकर्षक झांकियाँ, ध्वज-पताका, भजन-कीर्तन और जयघोष से वातावरण भक्तिमय रहेगा।

28 फरवरीः मुख्य प्राण-प्रतिष्ठा 28 फरवरी को प्रातः 7 बजे से तत्व न्यास, प्रतिमा न्यास एवं माँ मथुरासिनी की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न होगी। 1 मार्चः पूर्णाहुति समारोह 1 मार्च को भव्य पूजा-श्रृंगार, हवन पूर्णाहुति, कन्या पूजन एवं प्रसाद वितरण के साथ महायज्ञ का समापन होगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन संध्या 7 बजे से प्रवचन का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि यह महायज्ञ धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

विधायक बबलू मंडल ने सदन में उठाई पर्यटन विकास की मांग

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया

खगड़िया। सदर विधायक बबलू कुमार मंडल ने बुधवार को विधानसभा के शून्यकाल के दौरान खगड़िया की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि खगड़िया अपनी अनुपम छटा के लिए प्रसिद्ध कसरैया धार, चित्रगुप्तनगर स्थित चिल्ड्रेन पार्क तथा दाननगर स्थित सरदार पटेल पार्क के दिन अब बहुरने वाले हैं। विधायक ने बताया कि सदन में उन्होंने कसरैया धार को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने, जलकुंभी की सफाई, बोटिंग की व्यवस्था तथा होटल-मोटल निर्माण की मांग रखी। इसके अलावा चित्रगुप्तनगर के चिल्ड्रेन पार्क के विस्तार की भी बात कही। उन्होंने बताया कि पार्क के सामने पर्याप्त जमीन उपलब्ध है, जहां विस्तार कार्य संभव है। दाननगर स्थित सरदार पटेल पार्क को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने तथा वहां सरदार वल्लभभाई पटेल की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी सदन में रखी गई। विधायक ने कहा कि उन्होंने लोक महत्व के कई मुद्दे सदन में उठाए हैं, जिन्हें सरकार ने सूचीबद्ध किया है। उम्मीद है कि आगामी वित्तीय वर्ष में इन योजनाओं को कार्यसूची में शामिल कर क्रियान्वित किया जाएगा, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। खगड़िया के विकास से कोई समझौता नहीं विधायक बबलू कुमार मंडल ने कहा कि वे खगड़िया के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेंगे। जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर विशेष आग्रह भी करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भी वे जनहित के नए मुद्दे सदन में उठाते रहेंगे।

शैक्षणिक परिभ्रमण पर भरतखंड पहुंचे इंजीनियर अजय मेमोरियल स्कूल के छात्र

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया

गोगरी। शैक्षणिक परिभ्रमण के तहत इंजीनियर अजय मेमोरियल पब्लिक स्कूल, जमालपुर के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को अनुमंडल क्षेत्र के परबत्ता प्रखंड अंतर्गत भरतखंड स्थित ऐतिहासिक 52 कोठरी 53 द्वार महल के खंडहर का अवलोकन किया। बच्चों ने महल के ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए इसके स्थापत्य कला और संरचना को करीब से देखा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीतू सिंह के नेतृत्व में पहुंचे छात्र-छात्राओं को महल के इतिहास की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि राजा बाबू बैरम सिंह द्वारा 18वीं शताब्दी में इस महल का निर्माण कराया गया था। महल की खासियत यह है कि इसमें अलग-अलग आकार की ईंटों का उपयोग किया गया है।

यह विशाल संरचना लगभग 5 बीघा 5 कट्ठा 5 धूर जमीन में फैली हुई है। परिभ्रमण के दौरान बच्चों ने महल के ऐतिहासिक अवशेषों को बारीकी से देखा और जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर शिक्षक विपिन कुमार मंडल, धीरज सिंह सहित प्रेरणा कुमारी, ब्यूटी कुमारी, हर्षिता कुमारी, हर्षवर्धन आजाद, शहबार खान, कृष्णा सिंह, आदर्श कुमार, आर्यन, परी सिंह, शशि कुमार आदि मौजूद थे।

रामचंद्रा वार्ड में दो पीसीसी सड़कों का उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका गया

खगड़िया। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-05 अंतर्गत रामचंद्रा इलाके में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में दो पीसीसी सड़कों का उद्घाटन किया गया। नगर सभापति अर्चना कुमारी ने लगभग 22 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़कों का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक, युवा एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पहली सड़क खेल मैदान तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर 17 लाख 25 हजार 176 रुपये की लागत से बनाई गई है। यह मार्ग लंबे समय से जर्जर था, जिससे खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी होती थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलजमाव से स्थिति और खराब हो जाती थी। सड़क निर्माण से अब खिलाड़ियों को मैदान तक पहुंचने में सुविधा होगी और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। दूसरी पीसीसी सड़क का निर्माण अनुसूचित मोहल्ले में लगभग 5 लाख 39 हजार 260 रुपये की लागत से किया गया है। इस सड़क के बनने से वर्षों से चली आ रही जलजमाव और टूटी सड़क की समस्या से लोगों को राहत मिली है। स्थानीय निवासियों ने इसे क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद पप्पू यादव, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोहन प्रसाद राय, रोहित कुमार, जगदीश दास, छब्बू दास, अनिल दास, चंदन दास, रंजन प्रसाद सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। सभी ने नगर परिषद के प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र के समग्र विकास में सहयोग का आश्वासन दिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए नगर सभापति अर्चना कुमारी ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य केवल सड़क बनाना नहीं, बल्कि आमजन के जीवन को सुगम बनाना है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।करीब 22 लाख की लागत से बनी सड़कों से खेल मैदान व मोहल्ले को मिली राहत खगड़िया। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-05 अंतर्गत रामचंद्रा इलाके में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में दो पीसीसी सड़कों का उद्घाटन किया गया। नगर सभापति अर्चना कुमारी ने लगभग 22 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़कों का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक, युवा एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पहली सड़क खेल मैदान तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर 17 लाख 25 हजार 176 रुपये की लागत से बनाई गई है। यह मार्ग लंबे समय से जर्जर था, जिससे खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी होती थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलजमाव से स्थिति और खराब हो जाती थी। सड़क निर्माण से अब खिलाड़ियों को मैदान तक पहुंचने में सुविधा होगी और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। दूसरी पीसीसी सड़क का निर्माण अनुसूचित मोहल्ले में लगभग 5 लाख 39 हजार 260 रुपये की लागत से किया गया है। इस सड़क के बनने से वर्षों से चली आ रही जलजमाव और टूटी सड़क की समस्या से लोगों को राहत मिली है। स्थानीय निवासियों ने इसे क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद पप्पू यादव, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोहन प्रसाद राय, रोहित कुमार, जगदीश दास, छब्बू दास, अनिल दास, चंदन दास, रंजन प्रसाद सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। सभी ने नगर परिषद के प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र के समग्र विकास में सहयोग का आश्वासन दिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए नगर सभापति अर्चना कुमारी ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य केवल सड़क बनाना नहीं, बल्कि आमजन के जीवन को सुगम बनाना है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

रामचंद्रा वार्ड में विकास की सौगात, दो नई पीसीसी सड़कों का लोकार्पण

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-05 अंतर्गत रामचंद्रा इलाके में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में दो पीसीसी सड़कों का उद्घाटन किया गया। नगर सभापति अर्चना कुमारी ने लगभग 22 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़कों का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक, युवा एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पहली सड़क खेल मैदान तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर 17 लाख 25 हजार 176 रुपये की लागत से बनाई गई है। यह मार्ग लंबे समय से जर्जर था, जिससे खिलाड़ियों, स्कूली बच्चों और स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी होती थी। बरसात के दिनों में कीचड़ और जलजमाव से स्थिति और खराब हो जाती थी। सड़क निर्माण से अब खिलाड़ियों को मैदान तक पहुंचने में सुविधा होगी और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। दूसरी पीसीसी सड़क का निर्माण अनुसूचित मोहल्ले में लगभग 5 लाख 39 हजार 260 रुपये की लागत से किया गया है। इस सड़क के बनने से वर्षों से चली आ रही जलजमाव और टूटी सड़क की समस्या से लोगों को राहत मिली है। स्थानीय निवासियों ने इसे क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद पप्पू यादव, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मोहन प्रसाद राय, रोहित कुमार, जगदीश दास, छब्बू दास, अनिल दास, चंदन दास, रंजन प्रसाद सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। सभी ने नगर परिषद के प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र के समग्र विकास में सहयोग का आश्वासन दिया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए नगर सभापति अर्चना कुमारी ने कहा कि नगर परिषद का उद्देश्य केवल सड़क बनाना नहीं, बल्कि आमजन के जीवन को सुगम बनाना है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पुलिस सप्ताह पर सुपौल में नशामुक्ति प्रभातफेरी

दैनिक बिहार पत्रिका, सुपौल।

बिहार पुलिस सप्ताह के अवसर पर बुधवार को जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौथे दिन बिहार पुलिस के निर्देश पर सुपौल जिला अंतर्गत राजेश्वरी थाना पुलिस द्वारा नशामुक्ति जागरूकता अभियान के तहत प्रभातफेरी निकाली गई। प्रभातफेरी के दौरान पुलिसकर्मियों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर स्थानीय बाजार एवं रिहायशी क्षेत्रों में भ्रमण किया और लोगों से मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने की अपील की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस अवसर पर आमजनों को साइबर अपराधों के प्रति भी सजग रहने की सलाह दी गई। सोशल मीडिया के माध्यम से चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की जानकारी देते हुए लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में पुलिस पदाधिकारियों ने युवाओं से नशे से दूर रहकर समाज निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया।

(चिंतन-मनन)

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थय भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है।

उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है।

ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके।

पादरी लोरन भड़के क्या सुधरेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के शार्लोट स्थित सेंट्रल चर्च के वरिष्ठ पादरी लोरन लिविंगस्टन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भाषा और उनके सार्वजनिक आचरण को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। हालिया धर्मोपदेश में उन्होंने कहा, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति को संयमित, शालीन और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उनका कहना था, नेतृत्व केवल नीतियों और निर्णयों से नहीं होता है। बल्कि स्वयं के चरित्र, व्यवहार और वाणी से व्यक्ति की पहचान होती है। हर सफल व्यक्ति के पीछे उसका चरित्र, व्यवहार और उसकी कही हुई बातें ही महत्व रखती हैं। अमेरिका में अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर राजनीति के साथ-साथ धार्मिक क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर विरोध होने लगा है। पादरी लिविंगस्टन ने कहा, कि सार्वजनिक जीवन में अपमानजनक और अशोभनीय शब्दों का प्रयोग पूरे समाज को गलत संदेश देता है। उन्होंने पवित्र बाइबिल का हवाला देते हुए कहा, हृदय की प्रचुरता एवं संवेदनशीलता से ही मुख से बातें निकलती हैं। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीख देते हुए समझाया, व्यक्ति की भाषा ही उसके भीतर के विचारों और चारित्रिक मूल्यों को दशार्ती है। यदि नेता की वाणी कटु और अपमानजनक है, तो यह उसके आंतरिक दृष्टिकोण को प्रकट करती है। उन्होंने स्पष्ट किया, राजनीतिक विचारधारा और ईसाई आस्था को एक-दूसरे के समान नहीं माना जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप अपने आप को ह्यरूढ़िवादीह्ल, ह्यजीवन समर्थकह्ल या ह्यबाइबिल आधारित परिवार का समर्थकह्ल बताना उन्हें सच्चा ईसाई नहीं बनाता है। उन्होंने नस्लीय आधार पर धर्म को विभाजित करने की प्रवृत्ति पर भी भारी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मसीही समुदाय में श्वेत ओर अश्वेत जैसी अलग पहचान नहीं है। बिना किसी भेदभाव के जो व्यक्ति ईसा मसीह पर विश्वास करता है, यह विश्वास ही उन्हें सच्चा मसीही बनाता है। सभी में मसीह हैं और मसीह एक ही है। उनके इस बयान के बाद अमेरिका में राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर बहस तेज हो गई है। पादरी के इस बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अमेरिका में हो रही है। पादरी के इस बयान के बाद अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक एक नाराजगी देखने को मिल रही है।

अमेरिका के नागरिक और धर्म समर्थकों के बीच इसकी बड़ी तीव्र प्रक्रिया हुई है। अमेरिका के नागरिक पादरी के बयान को नैतिक मूल्यों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण नसीहत मान रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस तरह से विभिन्न राज्यों के नागरिकों के साथ अलग व्यवहार कर रहे हैं, अमेरिकी समाज को उन्होंने कई हिस्सों में बांट दिया है। मानों सब एक-दूसरे के खिलाफ खड़े हुए हैं। यह अमेरिका की संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था के कहीं से भी अनुकूल नहीं है। ईसाई धर्म में जिस तरह की वैमनस्यता आपस में फैलाई जा रही है। उसका अमेरिका जैसे स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश में कोई स्थान नहीं है। लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। उनके पास रहने को अपना घर नहीं, खाने को भोजन नहीं है। अमेरिका की आधी से ज्यादा आबादी अपना जीवन-यापन नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़बोलापन, लगातार बढ़ते टैक्स, शासकीय और प्रशासकीय प्रताड़ना अब अमेरिका के लोगों को बर्दाश्त नहीं हो रही हैं। जिस तरह की अभद्र भाषा का उपयोग ट्रंप करते हैं, बात-बात में जिस तरीके की धमकियां देते हैं, उसको लेकर आज अमेरिका ऐसी स्थिति में खड़ा हो गया है। जहां से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। ऐसी स्थिति में पादरी का यह कहना, राष्ट्रपति का व्यवहार आम नागरिकों के साथ कैसा हो, यह समय की मांग है। डोनाल्ड ट्रंप यदि पादरी की नसीहत को नहीं समझ पाए, ऐसी स्थिति में उन्हें अपने पद पर बने रहना मुश्किल हो सकता है। क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। पादरी के बयान की ट्रंप समर्थक आलोचना कर ट्रंप का बचाव करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप समर्थक और आलोचक इसे एक राजनीतिक टिप्पणी मान रहे हैं। किंतु पादरी ने जिस मुखरता और नाराजगी के साथ धर्म का पक्ष रखते हुए ट्रंप को नसीहत दी है, उसकी प्रतिक्रिया अमेरिका के राजनेताओं एवं आम जनता के बीच देखने को मिल रही है। जब बड़े-बड़े धर्मगुरु ही सत्ता के विरोध में खड़े हो जाएं, ऐसी स्थिति में सत्ता को बचाए रखना आसान नहीं होता है।

केरल से केरलम: पहचान की पुनर्स्थापना या राजनीतिक रणनीति?

नाम परिवर्तन के फैसले के लाभ-हानि, चुनावी असर और भाजपा के संभावित फायदे की पड़ताल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में केरल का नाम बदलकर ह्यकेरलमह्ल करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। यह फैसला उस प्रस्ताव की अगली कड़ी है जिसे राज्य विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी थी। अब प्रश्न यह है कि इस नाम परिवर्तन से राज्य को वास्तविक लाभ क्या होंगे, संभावित हानियां क्या हो सकती हैं, इसका चुनावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा और क्या इससे भारतीय जनता पार्टी को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है।

सबसे पहले लाभ की बात करें तो समर्थकों का तर्क है कि ह्यकेरलमह्ल नाम राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के अधिक अनुरूप है। मलयालम भाषा में राज्य को ह्यकेरलमह्ल कहा जाता है, इसलिए यह परिवर्तन स्थानीय अस्मिता और आत्मसम्मान को मजबूती देता है। भारत में पहले भी कई राज्यों ने अपनी ऐतिहासिक या भाषाई पहचान के अनुरूप नाम बदले हैं—जैसे ओडिशा (पूर्व नाम उड़ीसा) और उत्तराखंड (पूर्व नाम उत्तरांचल)। इन उदाहरणों से यह तर्क दिया जाता है कि नाम परिवर्तन कोई असामान्य कदम नहीं, बल्कि समय के साथ पहचान के परिष्कार की प्रक्रिया है।

दूसरा संभावित लाभ सांस्कृतिक ब्रांडिंग का है। ह्यकेरलमह्ल नाम पर्यटन, आयुर्वेद, बैकवाटर्स और पारंपरिक कला रूपों की वैश्विक पहचान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकता है। जब कोई राज्य अपनी मूल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को आधिकारिक रूप देता है तो वह अपने नागरिकों में गौरव की भावना उत्पन्न करता है। इससे प्रवासी समुदाय, विशेषकर खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों मलयाली लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत हो सकता है। यह मनोवैज्ञानिक लाभ सीधे आर्थिक लाभ में बदले या न बदले, लेकिन सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां और संभावित हानियां भी जुड़ी हैं। नाम बदलने की प्रक्रिया में प्रशासनिक दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, सरकारी वेबसाइटों, कानूनी अभिलेखों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संशोधन की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों लेती है। आलोचकों का कहना है कि जब राज्य बेरोजगारी, बाढ़ प्रबंधन, कर्ज बोझ और बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब नाम परिवर्तन प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि इससे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ सीमित हैं, जबकि प्रशासनिक लागत वास्तविक है। चुनावी असर के संदर्भ में यह निर्णय दिलचस्प है। केरल में लंबे समय से वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का वर्चस्व रहा है। भाजपा यहां अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। ऐसे में यदि नाम परिवर्तन का निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी से आगे बढ़ता है, तो भाजपा इसे ह्लसंस्कृति के सम्मानह्व और ह्लसंविधान सम्मत प्रक्रियाह्व के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि केंद्र क्षेत्रीय पहचान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ है। इससे भाजपा को यह नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिल सकता है कि वह केवल हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की आकांक्षाओं को भी समझती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि केरल की राजनीति अत्यंत जागरूक और वैचारिक रूप से परिपक्व मानी जाती है। यहां मतदाता केवल प्रतीकात्मक मुद्दों पर वोट नहीं देते, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए केवल नाम परिवर्तन से चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव आ जाए, यह मान लेना जल्दबाजी होगी। हां, यह भाजपा के लिए एक संवाद का द्वार खोल सकता है, जिससे वह राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील दिखे। भाजपा के संभावित फायदे पर यदि विस्तार से विचार करें तो यह निर्णय उसे दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर दे सकता है। पार्टी यह तर्क रख सकती है कि उसने राज्य विधानसभा की इच्छा का सम्मान किया और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कदम उठाया। इससे वह उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है जो क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन चाहते हैं। साथ ही, यह विपक्ष के उस आरोप को भी कमजोर कर सकता है कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता की अनदेखी करती है। दूसरी ओर, विपक्ष इसे ह्लप्रतीकात्मक राजनीतिह्व बताकर जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। यदि राज्य में आर्थिक या सामाजिक समस्याएं बनी रहती हैं, तो नाम परिवर्तन का मुद्दा जल्दी ही पृष्ठभूमि में चला जाएगा। इसलिए चुनावी लाभ तभी संभव है जब इसे व्यापक विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ जोड़ा जाए। एक और महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय स्तर का है। यदि संसद में यह विधेयक पारित होता है, तो यह संदेश जाएगा कि भारत की संघीय संरचना में राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की परंपरा जारी है। इससे अन्य राज्यों में भी समान मांगें तेज हो सकती हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल द्वारा ह्यबांग्लाह्ल नाम के प्रस्ताव के मामले में देखा गया था। हालांकि हर प्रस्ताव का मूल्यांकन अलग राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ में होगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि ह्यकेरलह्ल से ह्यकेरलमह्ल का नाम परिवर्तन भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके आर्थिक और प्रशासनिक प्रभाव सीमित और मिश्रित रहेंगे। चुनावी राजनीति में इसका असर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।यदि इसे क्षेत्रीय सम्मान और विकास के व्यापक विमर्श से जोड़ा गया तो भाजपा को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक लाभ मिल सकता है; यदि यह केवल नाम तक सीमित रहा तो इसका प्रभाव भी प्रतीकात्मक ही रहेगा। लोकतंत्र में नाम केवल पहचान का माध्यम है, असली कसौटी नीतियों और उनके परिणामों से तय होती है।

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंकखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है। भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे। आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में ह्लफ्री कश्मीरह्व और ह्लकश्मीर में जनसंहार बंद करोह्व जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

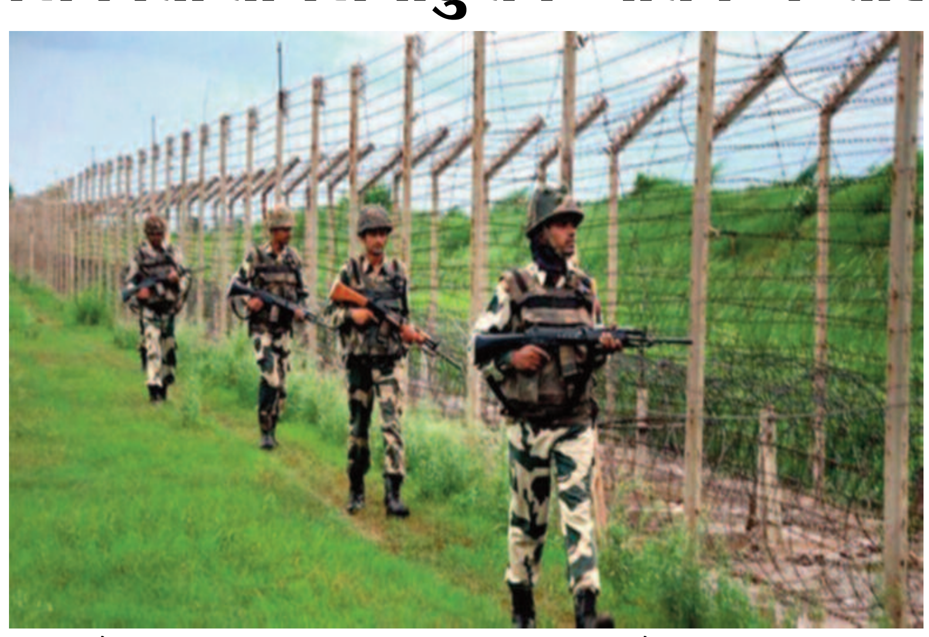

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रकऔर बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पदार्फाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को

जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम काईस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

अतिक्रमण और अव्यवस्था के बीच आतंकी हमले की धमकी ने बढ़ाई चांदनी चौक की चिंता

नईदिल्ली, एजेंसी। अतिक्रमण और अव्यवस्था के बीच आतंकी हमले की धमकी ने चांदनी चौक के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लश्कर -ए- तैयबा ने लालकिला के साथ ही चांदनी चौक स्थित लाल जैन मंदिर व गौरीशंकर मंदिर पर आतंकी धमाका करने की धमकी दी है। इसके पूर्व पिछले वर्ष 10 नवंबर को लाल किला के सामने आतंकी हमला हुआ था, जिसमें भागीरथ पैलेस के एक दुकानदार समेत कुल 15 लोगों की जान गई थी। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, तब भी लालकिला के सामने नेता जी सुभाष मार्ग पर रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण के साथ अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग थी, जिसके चलते आतंकी विस्फोट से अधिक जान-माल की हानि हुई। वहीं स्थिति कमोबेश अब भी है। जबकि, धमाके के बाद सुरक्षा मुल्यांकन में अतिक्रमण को गंभीर मानते हुए दिल्ली पुलिस तथा एमसीडी द्वारा कार्रवाई की रणनीति बनी थी।

पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन की धमकी मिलने के बाद से भी चांदनी चौक में अतिक्रमण की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं है। अलबत्ता, गौरी शंकर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था जरूर बढ़ा दी गई है। इस संबंध में चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय भार्गव ने एक्स पोस्ट में गृह मंत्रालय, पुलिस आयुक्त से आग्रह करते हुए कहा कि पिछली घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया गया है। यह काफी चिंता की बात और मासूम लोगों की जान से खेलने वाला है। उन्होंने अतिक्रमण को तत्काल हटाने की अपील करते हुए एक्स पोस्ट में साथ में अतिक्रमण के कई वीडियो भी साझा किए।

दिल्ली पुलिस के आश्वासन के बाद मंदिर से हटाए निजी सुरक्षा गार्ड : इस बीच, गौरी शंकर मंदिर में आतंकी हमले की चेतावनी के बाद शनिवार से लगाई गई निजी सुरक्षा व्यवस्था मंगलवार से हटा दी गई है। मंदिर में आतंकी धमाके की धमकी है। उसके बाद से 15 निजी सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए थे। उसमें से कुछ हथियारबंद थे। मंदिर के प्रबंधक सुभाष गोयल ने बताया कि दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि उसके द्वारा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। अब मंदिर में भक्तों का प्रवेश मेटल डिटेक्टर गेट से किया जा रहा है।

अतिक्रमण से पैदल चलना भी मुश्किल : चांदनी चौक मुख्य मार्ग पर लाल जैन मंदिर से फतेहपुरी मस्जिद तक अतिक्रमण से बुरा हाल है। सैकड़ों की संख्या में रेहड़ी-पटरी वाले फुटपाथ, मुख्य मार्ग से लेकर सेंट्रल वर्ज तक पर बैठे हुए हैं। यह सड़क मोटर वाहन रहित है।

तब भी अतिक्रमण के चलते पैदल आने जाने में भी पर्यटकों तथा ग्राहकों को परेशानी हो रही है। इसी तरह, जहां पिछली बार धमाका हुआ था। लालकिला की ओर से लेकर लालकिला मेट्रो स्टेशन गेट नंबर-4 के सामने सुभाष मार्ग पर अवैध रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण के साथ अवैध पार्किंग हो रही है, जिसके चलते दोनों ओर मात्र एक से दो लेन वाहनों को गुजरने के लिए मिल रही है। यहां के दुकानदारों के अनुसार, ऐसे में कोई विस्फोट काफी भयावह हो सकती है।

सफाई व्यवस्था भी बदहाल : यह इलाका सफाई व्यवस्था की समस्याओं से भी जूझ रहा है। पिछले वर्ष दिसंबर में निजी कंपनी के एक महीने के बाद काम छोड़ने से एमसीडी पर बोझ बढ़ गया, जिससे कूड़े के ढेर और फुटपाथों पर गंदगी की परत जम गई है। मामले के जानकारों के अनुसार, सफाई का स्तर गिरकर मात्र 15-20 प्रतिशत रह गया है, जबकि हाईकोर्ट ने निगरानी कमिटी गठित की है। स्थिति यह कि 1.3 किमी का मुख्य मार्ग पर जगह जगह कूड़ा इकट्ठा है।

दशकों बाद पुरानी दिल्ली को लटकते तारों से मिलेगी मुक्ति, भूमिगत परियोजना का होगा शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। दशकों की मांग और प्रयासों के बाद आखिरकार पुरानी दिल्ली में लटकते तारों को भूमिगत करने की परियोजना को गति मिलने जा रही है। शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम (एसआरडीसी) की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा बृहस्पतिवार को पुरानी दिल्ली की सड़कों, कूचों व कटरों में तारों को भूमिगत करने की परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा। इसके लिए कुछ दिन पूर्व राज्य सरकार ने 159.47 करोड़ रुपये मंजूर किए थे।

सूत्रों के अनुसार इस मौके पर ऊर्जा मंत्री आशीष सूद, सांसद प्रवीन खंडेलवाल और पार्षद सुमन गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहेंगे। विशेष बात कि द्वितीय चरण में कुल 26 सड़कों, कटरों व कूचों में लटकते तारों को भूमिगत किया जाएगा। बिजली वितरण कंपनियों को तारों को भूमिगत करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। चरणबद्ध तरीके से काम होगा।

चांदनी चौक का सांसद बनने के बाद प्रवीन खंडेलवाल ने इस समस्या के समाधान को लेकर व्यापारियों और अधिकारियों के साथ समग्र चर्चा कर रिपोर्ट दिल्ली सरकार को सौंपी थी। मौजूदा समय में चांदनी चौक, नई सड़क, किनारी बाजार, दरीबा, कूचा महाजनी, भागीरथ पैलेस, चावड़ी बाजार, लाल कुंआ, मटिया महल समेत कमोबेश पुरानी दिल्ली की हर सड़क और गलियों में लटकते बिजली के तार मिल जाएंगे। कहीं-कहीं यह खतरनाक स्थिति में काफी नीचे तक चले आए हैं।

तारों के इस मकड़जाल से अक्सर अगलगी की घटनाएं हुई। इसे लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने कई बार चिंता जताई तथा आदेश दिए थे। सरकारी सूत्रों के अनुसार, हवेली धर्मपुरा, कौड़िया पुल, मस्जिद खजूर समेत सभी मार्गों पर प्राथमिकता के स्तर पर तारों को भूमिगत किया जाएगा।

समें बिजली के तारों के साथ ही इंटरनेट, केबल समेत अन्य तारों के लिए भी अलग से डक्ट डाले जाएंगे। वैसे, इसके पूर्व एसआरडीसी की प्रथम चरण की परियोजना के तहत चांदनी चौक मुख्य मार्ग पर तारों को भूमिगत किया गया है, लेकिन गलियों और अन्य इलाकों का मामला अटका रहा।

अब तक के प्रमुख घटनाक्रम व प्रयास : -2011ः एसआरडीसी परियोजना के तहत चांदनी चौक में तार भूमिगत करने का काम शुरू, लेकिन पूरा नहीं हुआ। -2015ः एसआरडीसी परियोजना के तहत चांदनी चौक मुख्य मार्ग पर डक्ट डालने का काम शुरू हुआ, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। -2017ः दिल्ली हाईकोर्ट ने चांदनी चौक को टाइम बम कहा, तारों के जाल पर चिंता जताई।

क्षतिपूर्ति शुल्क के स्थानांतरण पर एनजीटी ने डीपीसीसी पर लगाया 50 हजार रुपये का जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। वन एवं वन्यजीव विभाग को क्षतिपूर्ति शुल्क स्थानांतरित करने में बहुत ज्यादा देरी के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। ए

नजीटी चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि डीपीसीसी के बेबुनियाद बहाने बनाकर एनजीटी के आदेशों का पालन नहीं किया और क्षतिपूर्ति राशि स्थानांतरित करने में देरी का कारण स्वीकार्य नहीं हैं।

एनजीटी ने रिकार्ड पर लिया कि क्षतिपूर्ति शुल्क के स्थानांतरण में देरी उसके कार्यालय की शिफ्टिंग के कारण हुई थी। एनजीटी ने कहा कि शुल्क के स्थानांतरण में एक साल से अधिक की देरी को लेकर बताया गया कारण पूरी तरह से गलत है।

एनजीटी ने कहा कि ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करना एक अपराध है और डीपीसीसी के चेयरमैन और सदस्य सचिव पर भी ऐसे उल्लंघन के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। एनजीटी ने कहा कि हालांकि, ट्रिब्यूनल मुकदमा चलाने का निर्देश देना उचित नहीं समझता। हालांकि, इसके लिए डीपीसीसी पर जुर्माना लगाना उचित होगा।

नवंबर 2023 में एनजीटी ने डीपीसीसी को निलोठी गांव में चार गैर-कानूनी पत्थर तोड़ने वाली यूनिट से पर्यावरण क्षतिपूर्ति के तौर पर इकट्ठा किए गए आठ लाख रुपये वन एवं वन्यजीव विभाग को जारी करने का निर्देश दिया था।

साथ ही विभाग को निर्देश दिया गया था कि उक्त धनराशि का उपयोग गांव में पेड़ लगाने के कामों के लिए किया जाएगा।

इसके साथ ही एनजीटी ने डीपीसीसी पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया और कहा कि यह राशि एनजीटी आने वाले जनता के लिए सुविधाओं में उपयोग की जाएगी।

साथ ही वन एवं वन्यजीव विभाग को निर्देश दिया कि आठ लाख रुपये का उपयोग वृक्षारोपण के लिए करें और छह महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

दिनदहाड़े न्यायिक हत्या है ट्रायल जज का फैसला

हाईकोर्ट बरसा, आचरण पर भी गंभीर टिप्पणी

गाजियाबाद, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम के एक मामले में निचली अदालत के फैसले को दिनदहाड़े न्यायिक हत्या करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने पाया कि ट्रायल जज ने एक मृत व्यक्ति के खिलाफ मालिकाना हक की डिक्री जारी कर दी थी, जो कानूनन शून्य है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मृत व्यक्ति के खिलाफ पारित डिक्री कानून में शुरू से ही शून्य है। कोर्ट ने गाजियाबाद नगर निगम से जुड़े एक मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए उसे 'शून्य' करार दिया है। अदालत ने संबंधित ट्रायल जज के आचरण पर भी गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि यह फैसला दिनदहाड़े की गई न्यायिक हत्या के समान है। कोर्ट ने संबंधित ट्रायल कोर्ट जज के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई के लिए मामला मुख्य न्यायाधीश को भेजने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति संदीप जैन ने गाजियाबाद नगर निगम की प्रथम अपील पर पारित किया है।

मामले के अनुसार वादकर्ता इंद्र मोहन सचदेव ने दावा किया था कि वह आनंद इंडस्ट्रियल एस्टेट, जीटी रोड, गाजियाबाद स्थित प्लॉट संख्या 9 (नया नंबर 12/9) के मालिक हैं। उन्होंने यह अधिकार वर्ष 2022 में एक अन्य वाद में पारित एकपक्षीय डिक्री के आधार पर प्राप्त बताया था, जिसमें उन्हें प्रतिकूल कब्जे के आधार पर स्वामित्व घोषित किया गया था। उन्होंने नगर निगम गाजियाबाद से अपने नाम दर्ज करने के लिए आवेदन किया, लेकिन कार्रवाई न होने पर अनिवार्य निषेधाज्ञा का वाद दायर किया, जिसे सिविल जज (सीनियर डिवीजन), गाजियाबाद ने 13 मई 2025 को स्वीकार कर लिया। अपील में नगर निगम की ओर से कहा गया कि जिस वाद में वादी का स्वामित्व घोषित किया गया था, उस वाद की प्रतिवादी श्रीमती सुशीला मेहरा की मृत्यु वर्ष 1996 में ही हो चुकी थी जबकि मुकदमा वर्ष 2019 में दायर किया गया और 2022 में एकपक्षीय डिक्री पारित हुई। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण फैसलों का हवाला दिया। इन फैसलों में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी मृत व्यक्ति के विरुद्ध डिक्री पारित होती है, तो वह विधि की दृष्टि में शून्य होती है और उसे कभी भी चुनौती दी जा सकती है।

NCR में तापमान में बढ़ोतरी के साथ तेज हवाओं की संभावना

नोएडा एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम अब धीरे-धीरे करवट ले रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में क्रमिक बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। हालांकि दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने की संभावना भी जताई गई है। इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) एक बार फिर गंभीर से अति गंभीर श्रेणी की ओर बढ़ता नजर आ रहा है ।

दिल्ली के रोहिणी में कबाड़ी ने पेश की ईमानदारी की मिसाल, लौटाए 10 लाख रुपये कीमत के गहने

नईदिल्ली, एजेंसी। फरीदाबाद में कबाड़ी अख्तर खान के बाद रोहिणी में भी एक कबाड़ी ने ईमानदारी का उदाहरण पेश किया है। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-16 से भी एक ऐसी ही मिसाल सामने आई है, जिसने लोगों का भरोसा और मजबूत कर दिया है।

रोहिणी सेक्टर-26 में रहने वाली एक महिला ने रविवार को कबाड़ में अलमारी बेची थी, जिसके लाकर में रखे करीब 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण निकालना भूल गई थी। कबाड़ी ने आभूषण मालिक को लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया। सेक्टर-26 की निवासी चांदनी कुमारी ने रविवार को घर का पुराना सामान कबाड़ में बेचते हुए एक लोहे की अलमारी भी रोहिणी सेक्टर-16 में रहने वाले अशरफ से बेची थी। सोमवार को जब कबाड़ी अशरफ ने अलमारी का लाकर तोड़ा तो उसमें रखे एक स्टील के डिब्बे में सोने व चांदी के कीमती आभूषण मिले।

डिब्बे के अंदर सोने के तीन झुमके, तीन अंगूठियां, एक टीका, तीन नथ, एक मंगलसूत्र, तीन टाप्स के अलावा करीब 20 तोले चांदी के आभूषण एक स्टिल के बर्तन में रखे थे। अचानक इतने कीमती गहने मिलने के बाद अशरफ ने लालच में पड़ने के बजाय ईमानदारी का रास्ता चुना।

उन्होंने अपने सहयोगियों नौशाद और सरताज के साथ मिलकर तुरंत उस परिवार से संपर्क साधा, जिसने अलमारी बेची थी। जब पीड़ित परिवार को इस बात की जानकारी मिली तो उनके होश उड़ गए। परिवार ने बताया कि जल्दबाजी में अलमारी बेचते समय उन्हें यह ध्यान नहीं रहा कि लाकर में गहने रखे हैं। सभी आभूषण सुरक्षित वापस मिलने पर परिवार की आंखें नम हो गईं। पति सुनील और पत्नी चांदनी ने कबाड़ी अशरफ और उनके सहयोगियों का दिल से आभार व्यक्त किया।

इनाम लेने से किया इनकार : सुनील ने बताया कि आज भी ईमानदारी लोगों में है। जिसका जीता-जागता उद्हारण कबाड़ी अशरफ व उनके साथ हैं। इस ईमानदारी से खुश होकर उन्होंने अशरफ को तीन हजार रुपये इनाम देने की पेशकश भी की, लेकिन अशरफ ने इसे लेने से साफ मना कर दिया। अशरफ उत्तर प्रदेश के बुलंद शहर स्थित कस्बा गुलावठी के रहने वाले हैं। यहां रोहिणी इलाके में परिवार के साथ रहते हैं, वहीं, रोहिणी सेक्टर-16 में 10 वर्ष से कबाड़ की दुकान चलाते हैं।

अख्तर खान से हुए थे प्रेरित : अशरफ ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने फरीदाबाद के कबाड़ी अख्तर खान की ईमानदारी की खबर इंटरनेट मीडिया पर देखी थी।

उसी से प्रेरित होकर उन्होंने तय किया कि किसी का हक हरगिज नहीं रखेंगे। उन्होंने कहा कि मेहनत की कमाई में ही बरकत है और किसी की अमानत लौटाना इंसानियत का फर्ज है। रोहिणी की इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि ईमानदारी आज भी जिंदा है। अशरफ और उनके साथियों की इस पहल की इलाके में सराहना हो रही है और लोग इसे समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण मान रहे हैं।

पश्चिमी दिल्ली में क्रिकेट के विवाद में 15 साल के किशोर की हत्या, 3 नाबालिगों ने बैट से पीट-पीटकर मार डाला

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। अब पश्चिमी जिले के तिलक नगर में नाबालिगों ने एक साथी की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम वुडलैंड पार्क में क्रिकेट खेलते समय 15 वर्षीय किशोर और 12 वर्षीय बच्चे के बीच पहले बल्लेबाजी करने को लेकर कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर दोनों में हाथपाई शुरू हो गई तो वहां मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग करा दिया। इसके बाद दोनों अपने-अपने घर लौट गए। आरोप है कि बच्चे ने इस झगड़े की जानकारी घर पर दे दी। इसके बाद वह अपने दो चचेरे नाबालिग भाइयों (13 और 17 वर्षीय) के साथ नाबालिग की तलाश में निकल पड़ा। शाम को तीनों ने किशोर को घेर लिया और बैट से उसके सिर व गर्दन पर कई वार किए। इससे किशोर बेसुध हो गया, लेकिन बच्चा और उसके चचेरे भाई उस पर बैट से हमला करते रहे। इसी बीच लोगों को वहां आता देख तीनों भाग गए। पुलिस उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाने लगी, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक चार भाइयों में से सबसे छोटा था। उसके पिता चाय की दुकान चलाते हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा है। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डी. शरद भास्कर ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम के प्रविधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। मामला दर्ज कर बच्चे और उसके नाबालिग भाइयों को पकड़ लिया गया है। राजधानी में नाबालिगों द्वारा अंजाम दिए गए अपराधों में किसी प्रकार की कमी दर्ज नहीं की जा रही है। इन 55 दिनों में ही पांच बड़ी घटनाओं में नाबालिगों ने पांच लोगों की जान ले ली है, जिसमें एक द्वारका हादसा भी है। इसमें नाबालिग स्कार्पियो चालक ने रील बनाते हुए लापरवाही से तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने के दौरान एक बाइक सवार को टक्कर मार दी थी, जिसके बाइक सवार युवक साहिल की मौके पर ही मौत हो गई थी। नजफगढ़ में चोरी के इरादे से घुसे दो किशोरों ने विरोध करने पर एक बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या कर दी थी। ख्याला में दो नाबालिगों ने पुरानी रंजिश में एक किशोर की गर्दन पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। शाहदरा में एक 16 वर्षीय नाबालिग ने अपने ही पड़ोसी की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी। विवाद महज 500 के लेनदेन को लेकर हुआ था।

पुलिस की अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू

गाजियाबाद,एजेंसी। गाजियाबाद में मेरठ जोन की तृतीय अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू हुई, जो 26 फरवरी तक चलेगी। पहले दिन, 79 और 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ और सहारनपुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिरिक्त सीपी राज करन नैय्यर ने किया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

पुलिस की अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता शुरू : पुलिस लाइन में 26 फरवरी तक चलेंगी भारोत्तोलन, योग और पावर लिफ्टिंग स्पर्धाएं -मेरठ जोन की प्रतियोगिता के 79 व 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ व सहारनपुर के खिलाड़ियों ने बाजी मारी गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। मेरठ जोन की तृतीय अंतरजनपदीय भारोत्तोलन क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ को रिजर्व पुलिस लाइन में किया गया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता 26 फरवरी तक चलेगी, जिसमें भारोत्तोलन, योग एवं पावर लिफ्टिंग की विभिन्न भार वर्गों की स्पर्धाएं होंगी। मंगलवार को पहले दिन 79 व 88 किलोग्राम वर्ग में हापुड़ व सहारनपुर के खिलाड़ियों ने बाजी मारी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे एडिशनल सीपी कानून व्यवस्था एवं यातायात राज करन नैय्यर ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का संदेश देते हुए कहा कि खेल पुलिस बल में शारीरिक दक्षता के साथ-साथ मानसिक संतुलन और टीम भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। उद्घाटन अवसर पर डीसीपी ट्रांस हिंडन एवं लाइंस निमिष पाटील, एडीसीपी क्राइम व लाइंस पीयूष कुमार सिंह तथा अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मेरठ जोन के जनपद हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, सहारनपुर, मेरठ, मुजफ्फरनगर के साथ ही कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर एवं कमिश्नरेट गाजियाबाद की टीमों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। विभिन्न भार वर्गों में कड़े मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। पावर लिफ्टिंग में दमखम दिखाया मंगलवार को आयोजित पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 79 किलोग्राम भार वर्ग में जनपद हापुड़ के मानवेंद्र शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बागपत के अमित कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार 88 किलोग्राम भार वर्ग में जनपद सहारनपुर के आकाश शर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया तथा हापुड़ के जयबीर सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी टीम का मान बढ़ाया। विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों का कहना है कि आगामी दो दिनों में शेष भार वर्गों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर पुरस्कृत किया जाएगा।

नमो भारत में आनंद विहार-गाजियाबाद स्टेशन से अधिक यात्री सफर कर रहे

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में नमो भारत ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। रोजाना औसतन 60 हजार यात्री सफर कर रहे थे, लेकिन हाल ही में यह संख्या एक लाख तक पहुँच गई। आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। आने वाले दिनों में और इजाफा होने का अनुमान है। अन्य दिनों में रोजाना करीब 60 हजार लोग एक दिन में यात्रा कर रहे थे -नमो भारत ट्रेन में आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या में और इजाफा होने का अनुमान गाजियाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। नमो भारत ट्रेन में आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। कॉरिडोर पर एक लाख से अधिक यात्रियों ने एक दिन में सफर कर रिकॉर्ड बनाया है। नमो भारत ट्रेन में अभी तक रोजाना औसत 60 हजार यात्री सफर कर रहे थे। इस तरह लगभग 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। 23 फरवरी को सोमवार होने के कारण नमो भारत ट्रेन में यात्रियों की ज्यादा भीड़ रही। मेरठ से आने वाली सभी ट्रेन में यात्रियों की भीड़ थी। एनसआरटीसी के अनुसार, कॉरिडोर के तीन स्टेशन आनंद विहार, गाजियाबाद और बेगमपुल स्टेशन से सबसे ज्यादा यात्री सफर कर रहे हैं। आनंद विहार स्टेशन के पास छह परिवहन साधन हैं। इनमें आनंद विहार रेलवे स्टेशन, दिल्ली मेट्रो की पिंक, ब्लू लाइन, स्वामी विवेकानंद आईएसबीटी, कौशांबी स्थित यूपीएसआरटीसी बस स्टैंड और सिटी बस स्टैंड के साथ कनेक्टिविटी है। इसी तरह गाजियाबाद स्टेशन पर भी यात्रियों की काफी अधिक संख्या रही है। यह स्टेशन दिल्ली मेट्रो की रेड लाइन के शहीद स्थल स्टेशन से फुट ओवरब्रिज से जोड़ा है। सराय काले खां, शताब्दी नगर और मोदीपुरम स्टेशन से भी काफी संख्या में यात्री सफर कर रहे हैं। दिल्ली का न्यू अशोक नगर स्टेशन जो पहले से ही परिचालित है। वहां भी यात्री बड़ी संख्या में आ रहे हैं। आने वाले दिनों में नमो भारत ट्रेन में यात्रियों की संख्या में और इजाफा होने का अनुमान है। बता दें कि 22 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यू अशोक नगर से सराय काले खां पांच किलोमीटर और मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 21 किलोमीटर खंड का उद्घाटन किया था। इसके साथ ही सराय काले खां से मोदीपुरम तक 15 स्टेशनों के साथ पूरे कॉरिडोर ट्रेन का परिचालन शुरू हो गया है।

दौसा फुटबॉल टूर्नामेंट : दिल्ली के यशराज और करनाल के डेंग का जलवा

रोमांचक मुकाबलों में गढ़वाल डायमंड और दीपक क्लब जीते

दौसा। 'एक जिला, एक खेल' अभियान के तहत आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने न केवल अपनी शारीरिक क्षमता, बल्कि उच्च खेल भावना और अनुशासन का भी परिचय दिया। मैदान पर खेले गए दो प्रमुख मैचों में दर्शकों को अंत तक रोमांच का अनुभव हुआ। मैच 1: गढ़वाल डायमंड क्लब बनाम एक्वा क्लब रांची दिल्ली के गढ़वाल डायमंड क्लब और रांची (झारखंड) के एक्वा क्लब के बीच खेला गया मुकाबला बेहद कड़ा रहा।

मैच का टर्निंग पॉइंट: खेल के 80 मिनट तक दोनों टीमें एक-दूसरे के डिफेंस को भेदने में नाकाम रहीं। लेकिन 81वें मिनट में दिल्ली के जर्सी नंबर 6 यशराज ने शानदार गोल कर टीम का खाता खोला।

जीत की मुहर: 86वें मिनट में जर्सी नंबर 18 पारस ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया और दिल्ली की जीत पक्की कर दी।

मैन ऑफ द मैच: हार के बावजूद रांची के जर्सी नंबर 3 रोहन को उनके बेहतरीन खेल के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।

अतिथि: डॉ. आर.के मीणा, राजकुमार जायसवाल, पंडित राधेश्याम शर्मा और अरुण शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

मैच 2: दीपक क्लब करनाल बनाम छस्न्न दौसा

दूसरे मैच में करनाल की टीम ने मेजबान दौसा पर गोलों की बरसात कर दी।

संघर्षपूर्ण शुरुआत: हाफ-टाइम तक स्कोर 0-0 रहा। इसके बाद करनाल के अम्मा मनयून ने पहला गोल कर बढ़त दिलाई। दौसा के नवीन ने 64वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

करनाल का दबदबा: इसके बाद करनाल के खिलाड़ियों (सिल्वा, डेंग और जोश्या) ने एक के बाद एक गोल दागने शुरू किए। जर्सी नंबर 5 डेंग ने दो गोल कर टीम को 5-1 के विशाल अंतर से जीत दिलाई।

मैन ऑफ द मैच: दो गोल दागने वाले करनाल के खिलाड़ी डेंग को 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया।

अफरीदी का बड़ा कारनामा

टी20 वर्ल्ड कप में ऐसा करने वाले पहले पाकिस्तानी गेंदबाज बने

पल्लेकेले। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान की भिड़ंत इंग्लैंड के साथ हो रही है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। शाहीन अफरीदी टी20 वर्ल्ड कप में पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले पाकिस्तान के इकलौते गेंदबाज बन गए हैं। अफरीदी ने पारी की पहली ही बॉल पर इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को पवेलियन भेजा। इसके साथ ही वह टी20 वर्ल्ड कप के पावरप्ले में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है। विश्व कप के पावरप्ले में अब अफरीदी के नाम 18 विकेट हो गए हैं, जबकि रबाडा ने अब तक 16 विकेट निकाले हैं। पल्लेकेले में पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सैम अयूब महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान सलमान आगा भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए। बाबर आजम ने 24 गेंदों का सामना करते हुए 25 रन बनाए। साहिबजादा फरहान एक छोर संभालकर खड़े रहे और उन्होंने 45 गेंदों में 63 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान फरहान ने 7 चौके और 2 छक्के लगाए। फखर जमान ने 16 गेंदों में 25 रन बनाए। वहीं, शादाब खान ने अंतिम ओवरों में 11 गेंदों में 23 रन बनाए, जिसके बूते पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 164 रन लगाने में सफल रही। इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाजों का प्रदर्शन एक बार फिर शानदार रहा। लियाम डॉसन ने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 24 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए। जोफ्रा आर्चर भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 32 रन देकर दो बड़े विकेट चटकाए। जेमी ओवरटन ने 3 ओवर में 26 रन देते हुए 2 विकेट झटके। पाकिस्तान ने इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। फहीम अशरफ की जगह पर शाहीन अफरीदी को टीम में जगह दी गई है।

टी20 वर्ल्ड कप

भारतीय टीम का साथ छोड़कर घर लौटे रिंकू सिंह

पिता की बिगड़ी तबीयत : रिपोर्ट

नई दिल्ली। टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह मंगलवार को चेन्नई से उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू को घर में हेल्थ इमरजेंसी होने की वजह से भारतीय टीम का साथ छोड़कर जाना पड़ा है। खबरों के मुताबिक, रिंकू सिंह के पिता चौथे चरण के लिवर कैंसर से पीड़ित हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिंकू के पिता को अभी वेंटिलेटर पर रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि रिंकू ने मंगलवार को चेन्नई में हुए अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया, और उनका अगले मैच में खेलना भी काफी मुश्किल है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि जिम्बाब्वे के खिलाफ 'करो या मरो' के मैच में संजू सैमसन को भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

रिंकू सिंह ने टी20 विश्व कप 2026 में अब तक खेले गए सभी मैचों में हिस्सा लिया है और कुल मिलाकर 24 रन बनाए हैं। अंतिम ओवरों में फिनिशर की भूमिका में रिंकू टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं, और उनकी अनुपस्थिति मेजबान टीम के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है। रिंकू के न होने से टीम का संतुलन बिगड़ सकता है। रिंकू एक अच्छे फील्डर भी हैं।

'जल्द वापसी करेंगे', बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बढ़ाया टीम इंडिया का आत्मविश्वास

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम को रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद टीम इंडिया के लिए प्लेइंग इलेवन की राह मुश्किल हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि भारतीय टीम इस हार से उबरेगी और जल्द वापसी करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सैकिया ने लिखा, 'कल शाम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच हार गए, लेकिन जल्द वापसी करेंगे।' बीसीसीआई सचिव के इस पोस्ट से निश्चित रूप से भारतीय खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।भारतीय टीम को सुपर-8 में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो और मैच खेलने हैं। टीम इंडिया को अगर सेमीफाइनल में जगह बनानी है, तो किसी भी कीमत पर इन दोनों मैचों में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत हासिल करना इतना आसान भी नहीं है। ग्रुप स्टेज में दोनों टीमें अजेय रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच की बात करें, तो इस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 187 रन बनाए थे। भारतीय टीम 111 रन पर सिमट गई और 76 रन से मैच हार गई। भारतीय टीम की टी20 विश्व कप में यह रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार है। अगले दो मैचों में भारतीय टीम को जीत दर्ज करनी है, तो प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव करने होंगे। अभिषेक शर्मा या तिलक वर्मा में किसी एक की जगह संजू सैमसन को टीम में वापस लाना होगा। अभिषेक शर्मा आउट ऑफ फॉर्म हैं। लगातार तीन शून्य के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 15 रन बनाए थे। वहीं तिलक वर्मा भी पिछले 4 मैचों में बड़ी पारी नहीं खेले हैं और बल्लेबाजी के दौरान संघर्ष करते हुए दिखेंगे।

स्क्वैश: 18-22 मार्च तक खेला जाएगा इंडियन ओपन, ब्रेबोर्न स्टेडियम में होंगे मुकाबले

मुंबई । इंडियन ओपन 18 से 22 मार्च के बीच सीसीआई ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला जाएगा। यह एक पीएसए कॉपर इवेंट है, जिसकी टिकट अब लाइव हैं। प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) से मान्यता प्राप्त, यह टूर्नामेंट अपने 2025 एडिशन की सफलता को आगे बढ़ा रहा है, जिसे साल के टॉप 10 आइकॉनिक पीएसए इवेंट्स में से एक चुना गया था। 2026 एडिशन में डिफेंडिंग महिला चैंपियन अनाहत सिंह इवेंट में नजर आएंगी। लाइनअप में भारत के टॉप खिलाड़ी भी शामिल हैं, जैसे रमित टंडन, अभय सिंह, वीर चोटरानी, ??वेलावन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा। इनके साथ याह्या एलनवासनी, हाना मोआताज और माजेन हेशाम जैसे इंटरनेशनल कंटेंडर भी शामिल हैं।

इस प्रतियोगिता के साथ वर्ल्ड-क्लास स्क्वैश का एक बहुत प्रतिस्पर्धी हफ्ता शुरू होगा। टूर्नामेंट में पुरुषों और महिलाओं दोनों के इवेंट्स के लिए 44,500 यूएस डॉलर प्राइज मनी होगी।

स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल साइरस पोंचा ने कहा, 'इंडियन ओपन तेजी से पीएसए कैलेंडर का एक अहम पड़ाव बन गया है, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को वर्ल्ड-क्लास कॉम्पिटिशन का अनुभव मिलता है और साथ ही स्क्वैश की प्रोफाइल देश भर में बढ़ती है। 2026 के लिए, हम टूर्नामेंट की इंटरनेशनल अहमियत को बढ़ाते रहने और फैंस को हाई-लेवल मैच लाइव देखने के लिए उत्साहित हैं, जिससे भारत में इस खेल के लंबे समय के विकास में मदद मिलेगी। 'इस प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल ग्लास कोर्ट पर होंगे, जिससे एक एरीना-स्टाइल स्क्वैश वेन्यू बनेगा जो एनर्जेटिक, क्लोज-अप व्यूइंग के लिए ऑप्टिमाइज किया गया है।

एक बड़े स्टेज पर समान प्राइज मनी और टॉप इंडियन और इंटरनेशनल प्लेयर्स के लाइनअप के साथ, 2026 इंडियन ओपन ग्लोबल स्क्वैश में भारत की जगह को मजबूत करेगा।

पाकिस्तान अब भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है, इस टीम के हाथ में पूरा खेल

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड से मिली हार के बाद पाकिस्तान सेमीफाइनल से बाहर होने की कगार पर पहुंच सकता है और कोई चमत्कार ही अब उसे शीर्ष-4 में जगह दिला सकता है। आइए जानते हैं कि ग्रुप 2 का कौन सा समीकरण पाकिस्तान को अब भी टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ग्रुप 2 में पाकिस्तान, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड हैं। सभी टीमों को 3-3 मैच खेलने हैं। इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान पर जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड का तीसरा और आखिरी मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 फरवरी को खेला जाना है। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सुपर-8 का पहला मुकाबला 21 फरवरी को कोलंबो में खेला जाना था। बारिश की वजह से बिना एक भी गेंद फेंके इस मैच को रद्द कर दिया गया था और दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांट दिए गए थे। इस मैच के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पाकिस्तान को अपने दोनों मैच जीतना जरूरी था, लेकिन मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ हार ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल से बाहर होने की कगार पर ला दिया है। सेमीफाइनल के लिए पाकिस्तान को अब अपने प्रदर्शन के अलावा दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को 28 फरवरी को श्रीलंका के खिलाफ होने वाला अपना आखिरी सुपर-8 मुकाबला बड़े अंतर से जीतना होगा। इस जीत के साथ पाकिस्तान के 3 अंक हो जाएंगे और रन रेट भी बेहतर हो जाएगा। वहीं, पाकिस्तान को उम्मीद करनी होगी कि न्यूजीलैंड श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपने आखिरी दो मैच हार जाएं। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान के 3 अंक होंगे, न्यूजीलैंड के 1 और श्रीलंका के दो अंक होंगे। इस तरह पाकिस्तानी टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

नई दिल्ली। भारत और जिम्बाब्वे के बीच 26 फरवरी को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 'सुपर-8' मैच खेला जाना है। टीम इंडिया को इस टूर्नामेंट में अपने पहले सुपर-8 मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यह संतोष की बात है कि जिम्बाब्वे के विरुद्ध भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 फॉर्मेट में अब तक कुल 13 मैच खेले गए हैं, जिसमें टीम इंडिया ने 10 मुकाबले जीते। सिर्फ 3 ही मैच जिम्बाब्वे के पक्ष में रहे। दोनों देश टी20 वर्ल्ड कप में अब तक सिर्फ एक ही बार आमने-सामने रहे हैं, जिसे भारत ने अपने नाम किया था। भारत-जिम्बाब्वे के बीच द्विपक्षीय सीरीज के सभी मैच हरारे (जिम्बाब्वे) में खेले गए हैं। दोनों देशों के बीच टी20 क्रिकेट का पहला मैच 12 जून 2010 को खेला गया था, जिसे भारत ने 6 विकेट से जीता। 13 जून को सीरीज के दूसरे और अंतिम मुकाबले में 7 विकेट से जीत हासिल करते हुए टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप किया। इसके बाद भारत ने साल 2015 में इस देश के खिलाफ 2 मुकाबलों की टी20 सीरीज खेली, जो 1-1 से ड्रॉ रही। जून 2016 में भारत-जिम्बाब्वे के बीच 3 मुकाबलों की सीरीज खेली गई, जिसका पहला मैच मेजबान जिम्बाब्वे ने 2 रन के करीबी अंतर से अपने नाम किया, लेकिन अगले दो मुकाबलों को भारत ने जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इसके बाद दोनों देश टी20 वर्ल्ड कप 2022 में आमने-सामने आए, जिसमें भारत ने 186/5 का स्कोर बनाने के बाद जिम्बाब्वे को महज 115 रन पर समेट दिया। यह मैच मेलबर्न में खेला गया था। जुलाई 2024 में भारत ने इस देश के विरुद्ध 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज खेली।

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम इंग्लैंड

पल्लेकेले। इंग्लैंड टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को पाकिस्तान को 2 विकेट से हराते हुए अंतिम चार में अपनी जगह बना ली है। सुपर-8 राउंड के मुकाबले में पाकिस्तान से मिले 165 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने 8 विकेट खोकर 19.1 ओवर में चेज कर लिया। टीम की तरफ से कप्तान हैरी ब्रूक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने टी-20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगाया। ब्रूक ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 100 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में इंग्लिश कप्तान ने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, विल जैक्स ने 23 गेंदों में 28 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि मोहम्मद नवाज और उस्मान तारिक ने दो-दो विकेट निकाले। इससे पहले पाकिस्तान ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 164 रन लगाए। टीम की तरफ से साहिबजादा फरहान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में 63 रनों की लाजवाब पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

बाबर आजम अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और 25 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, फखर जमान ने 16 गेंदों में 25 रन बनाए। शादाब खान ने अंतिम ओवरों में 11 गेंदों पर 23 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में लियाम डॉसन ने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, जोफ्रा आर्चर और जेमी ओवरटन ने दो-दो विकेट निकाले। इंग्लैंड ने सुपर-8 राउंड के अपने पहले मैच में श्रीलंका को 51 रनों से हराया था।

लगातार दो जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। हालांकि, पाकिस्तान की राह मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान को दूसरे दौर के अपने आखिरी मुकाबले में 27 फरवरी को न्यूजीलैंड से भिड़ना है। सलमान आगा की अगुवाई में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। इसके साथ ही बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

किचन चिमनी की चिकनाई पल भर में गायब

बिना जाली निकाले चमकाएं नई जैसी

खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जिसे साफ करना काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है।

अधिकतर लोग तेल और मसाले के धुएं से बचने के लिए किचन में चिमनी लगाते हैं। लेकिन अगर सप्ताह में या महीने में चिमनी की सफाई न की जाए, तो खाना पकाने के दौरान निकलने वाली चिकनाई, तेल और धुएं की वजह से चिमनी के अंदर और फिल्टर के आसपास एक चिपचिपी और मोटी काली परत जम जाती है। इस कारण चिमनी गंदी हो जाती है। जब इस चिमनी को साफ करने की बात आती है, तो अक्सर चिमनी की जाली को निकालना और फिर इसको घंटों तक डिटर्जेंट और गरम पानी में भिगोना पड़ता है, जोकि काफी ज्यादा मेहनत भरा काम होता है।

ऐसे में अगर आपके घर में भी चिमनी लगी है और वह गंदी हो गई है। तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको असरदार और कमाल का क्लीनिंग हैक बताने जा रहे हैं। जिसकी सहायता से बिना जाली निकाले आप मिनटों में चिमनी को नए जैसा चमका सकती हैं।

जरूरी सामान

बेकिंग सोडा

सिरका

लिक्विड डिश वॉश सोप

ऐसे बनाएं घोल

सबसे पहले एक सफेद स्प्रे बोतल ले लें।

अब इसमें बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा, सफेद सिरका और लिक्विड डिशवॉशिंग सोप डालें।

फिर करीब 1/4 कप गुनगुना पानी डालकर बोतल को बंद करके अच्छे से हिलाएं, जिससे कि सभी चीजें मिक्स हो जाएं।

ऐसे करें इस्तेमाल

बता दें कि इस घोल का इस्तेमाल करने से पहले चिमनी की सतह पर अखबार या कपड़ा बिछाएं और गैस स्टोव के बर्नर को ढक दें। वहीं यह तरीका चिमकी के ठंडा होने पर अपनाएं।

चिमनी के अंदरूनी हिस्से और जाली के बाहर की ओर जहां-जहां पर चिकनाई दिख रही है, वहां पर इस घोल को स्प्रे करें।

इस घोल को करीब 15-20 मिनट तक के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

वहीं समय पूरा होने के बाद इसको साफ कपड़े से धीरे-धीरे पोछें।

जब सारी गंदगी साफ हो जाए, तो माइक्रोफाइबर कपड़े से चिमनी को पोछें।

सर्दी की सुबह को बनाएं लाजवाब : मूली-चावल की पूड़ी का अनोखा स्वाद

सर्दियों में हर एक घर में सबसे ज्यादा गरमा-गरम पूड़ियां और पराठे खूब खाएं जाते हैं। इस मौसम में पूड़ी-कचौड़ी खाने का एक अलग ही मजा आता है। वैसे तो लोग गेहूं की पूड़ियां खाईं जाती हैं, लेकिन क्या आप कभी मूली और चावल के आटे की पूड़ी ट्राई की है। यदि नहीं, तो इस बार आप घर पर ही मूली और चावल की पूड़ी बनाकर जरुर देखें। इसका स्वाद भी लाजवाब होता है और यह काफी कुरकुरी पौष्टिक लगती हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाएं मूली और चावल की पूड़ी को कैसे बनाएं।

मूली और चावल की पूड़ी कैसे बनाएं?

- इसके लिए आप मूली को अच्छे से धोकर छील लें और इसे बारीक वाले कद्दूकस से कस लें। अब एक बड़े बर्तन में चावल का आटा लें।

- फिर इसमें कद्दूकस की हुई मूली, बारीक कटा हरा धनिया, अदरक-मिर्च का पेस्ट, अजवाइन, थोड़ी सी हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालें।

- इसके बाद इसमें एक छोटा चम्मच तेल डालकर अच्छे से मिक्स कर आटे को गूंथने के बाद 5-10 मिनट के लिए ढककर रख दें।

- छोटी-छोटी लोइयां तोड़कर चकले पर थोड़ा सा तेल लगाकर हल्के हाथों से छोटी-छोटी पूड़ियां बेल लें।

- यदि पूड़ियां किनारे से फट रही हैं, तो आप किसी कटोरी की मदद से उन्हें गोल काट सकते हैं।

- तेल गर्म होने के बाद, इसमें पूड़ी डालकर लो फलमे पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक तल लें।

- इसके बाद गरमा-गरम मूली और चावल की पूड़ियों को हरी धनिये की चटनी, आम के अचार या दही के साथ सर्व करें।

इन बातों का रखें ख्याल

- मूली कद्दूकस करने के बाद काफी पानी को छोड़ती है, इसलिए आटे में पानी डालने से पहले मूली और मसालों को अच्छी तरह मिला लें।

- आटा हमेशा हल्के गरम पानी से गूंथे।

- जब आप पूड़ियों को बेलें तो इसे गेहूं की पूड़ियों की तरह जोर बिल्कुल भी न लगाएं।

- जब आप पूड़ी को फ्राई करें, तो तेल अच्छी से गर्म होना चाहिए।

आयरन का पावरहाउस है काला चना

आजकल एनर्जी ड्रिंक्स और सप्लीमेंट्स के दौर में हम एक ऐसे सुपरफूड को भूलते जा रहे हैं, जो हमारी दादी-नानी की रसोई में रोज की शान हुआ करते थे। काला चना करी इसी तरह की एक रेसिपी है, जिसमें आसान चीजों को धीरे-धीरे पकाया जाता है ताकि ठंडे महीनों में शरीर को पोषण मिल सके। काला चना सदियों से भारतीय रसोई में इस्तेमाल होता आ रहा है। दादी-नानी इस पर एक भरोसेमंद सामग्री के तौर पर निर्भर रहती थीं, जो आसानी से स्टोर हो जाता थी और ताकत देती थी खासकर सर्दियों में जब शरीर को लगातार एनर्जी की ज़रूरत होती थी।

यह लोग जरूर खाएं ये डिश

एनर्जी और ग्रोथ के लिए इसे बच्चों को जरूर दें। आयरन की कमी से बचाव के लिए महिलाएं इसे अपने डाइट में जरूर शामिल करें। कमजोरी और पाचन के लिए बुजुर्गों को भी इसे जरूर खाना चाहिए। ध्यान रखें कि अगर ज्यादा गैस की समस्या हो तो हींग और जीरा डालें। रात में भारी मात्रा में न खाएं और डायबिटीज वाले पोर्शन कंट्रोल रखें। काले चने की करी सिर्फ एक सब्ज़ी नहीं, बल्कि दादी-नानी की समझदारी से मिली सेहत की विरासत है। अगर आप नेचुरल तरीके से एनर्जी, आयरन और प्रोटीन बढ़ाना चाहते हैं, तो इस भूले-बिसरे सुपरफूड को अपनी थाली में जरूर शामिल करें।

आयरन का पावरहाउस है काला चना

काले चने में मौजूद आयरन शरीर में खून की कमी (एनीमिया) से बचाता है। कमजोरी और थकान दूर करता है। महिलाओं के लिए यह खासतौर पर फायदेमंद होता है। प्रोटीन से भरपूर काले चने की करी, मसल्स को मजबूत बनाती है। इसे खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। शाकाहारियों के लिए यह बेहतरीन प्रोटीन विकल्प है

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दादी-नानी का मानना है कि काला चना धीरे-धीरे ऊर्जा देता है, ब्लड शुगर को संतुलित रखता है और दिनभर एक्टिव बनाए रखता है। फाइबर से भरपूर होने के कारण यह कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मदद करता है। यह दिल की सेहत के लिए भी बुहत अच्छा है।

काले चने की करी बनाने का आसान तरीका

-रात भर काले चने भिगो दें

-सुबह प्रेशर कुकर में उबाल लें

-प्याज, टमाटर, अदरक-लहसुन और देसी मसालों में पकाएं

-अंत में थोड़ा घी डालें — स्वाद और पोषण दोनों बढ़ेगा

नहीं खराब होगी कटी हुई सब्जियां

किचन में इन तरीकों से कर लें स्टोर

वर्किंग महिलाओं के लिए किचन और बाहर के काम संभालना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह किचन के काम को आसान बनाने के लिए कुछ स्मार्ट हैक्स का इस्तेमाल करती हैं। सब्जियां बनाने के लिए महिलाएं पहले से ही काटकर रख लेती हैं लेकिन ज्यादा समय तक किचन में सब्जियां पड़ी रहने के कारण खराब होने लगती हैं। आपको बताते हैं कुछ ऐसे स्मार्ट ट्रिक्स जिनका इस्तेमाल करके आप सब्जियों को स्टोर कर सकते हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में...

कटे हुए आलू का इस तरह करें स्टोर

कटे हुए आलू यदि लंबे समय तक बाहर पड़े रहें तो उनका रंग काला पड़ने लगता है। ऐसे में आप कटे हुए आलू को ठंडे पानी में स्टोर कर लें। इससे वह खराब नहीं होंगे और न ही काले पड़ेंगे।

केले स्टोर करने का तरीका

केले भी बाहर पड़े रहने के कारण खराब होने लगते हैं ऐसे में आप केले के गुच्छे के सीरे को प्लास्टिक या फिर अल्यूमिनियम पेपर से रेप करके रख दें। इससे केले लंबे समय तक चलेंगे और फ्रेश भी रहेंगे।

कटे हुए फल स्टोर करने का हैक्स

कटे हुए फलों का आप स्टोर करने के लिए उन पर नींबू का रस लगा लें। नींबू के अलावा आप फलों पर शहद भी लगा सकते हैं। शहद का पानी लगाने से भी फल जल्दी काले नहीं होंगे। साथ ही इस तरीके से फल लंबे समय तक फ्रेश भी रहेंगे।

ब्राउन शुगर रहेगी फ्रेश

ब्राउन शुगर को यदि आप लंबे समय तक फ्रेश रखना चाहते हैं तो इसे जिस भी कंटेनर में रख रहें हैं इसमें एक सेब का टुकड़ा डाल दें। इससे वह जल्दी खराब नहीं होगी और लंबे समय तक फ्रेश भी रहेगी।

शावर कैप आएगी काम

खाना बनाने के बाद आप उन्हें हवा के कणों से बचाने के लिए आप शावर कैप का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह बालों के अलावा खाने को भी साफ-सुथरा रखने में मदद करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि शावर कैप एकदम फ्रेश हो।

हर्ब्स को हफ्तों तक ताजा रखने के आसान घरेलू तरीके

खाने के अगर फ्रेश हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाए तो इससे टेस्ट पूरी तरह से बदल सकता है। करीपत्ते से लेकर धनिया व पुदीना खाने के टेस्ट को नेक्स्ट लेवल पर ले जाते हैं। अमूमन हम मार्केट से इन हर्ब्स का एक बड़ा गुच्छा खरीदते हैं, लेकिन एक बार में इन्हें थोड़ा सा ही इस्तेमाल किया जाता है और फिर बाकी कुछ ही दिनों में फ्रिज में खराब हो जाता है। ऐसे में पैसे यू ही वेस्ट हो जाते हैं। हम सभी के साथ अक्सर ऐसा होता है।

हालांकि, ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन अगर आप थोड़ा स्मार्ट तरीका अपनाते हैं तो ऐसे में इन हर्ब्स को महीनों तक भी आसानी से स्टोर किया जा सकता है। इससे आप उन्हें लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के आसानी से इस्तेमाल कर पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

ठीक से धोएं और सुखाएं

अगर आप हर्ब्स को स्टोर करना चाहते हैं तो पहले उन्हें अच्छी तरह धोकर सुखाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को ठंडे पानी में धीरे से धोएं। फिर एक्स्ट्रा पानी झाड़कर उन्हें एक साफ तौलिए पर फैलाएं। अब इन हर्ब्स को पूरी तरह से सूखने दें। ध्यान रखें कि अगर इनमें नमी रह जाती है, तो हर्ब्स जल्दी खराब हो जाती हैं।

आजमाएं पेपर टॉवल रैप तरीका

अगर आप धनिया, पुदीना, अजमोद, डिल जैसी हर्ब्स को स्टोर करना चाहती हैं तो ऐसे में पेपर टॉवल रैप तरीके को आजमाएं। इसके लिए आप हर्ब्स को सूखे पेपर टॉवल पर रखें, फिर धीरे से रोल करें। अब इसे एयरटाइट बॉक्स में रखें। इस तरह हर्ब्स 1-2 हफ्ते तक खराब नहीं होती हैं। आप हर दिन कुछ मात्रा में इन हर्ब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

करें फ्रीज

अगर आप हर्ब्स को महीनों तक स्टोर करना चाहते हैं तो ऐसे में उन्हें फ्रीज करना सबसे अच्छा रहता है। इसके लिए आप साबुत पत्तियों को धोकर सुखा लें। अब इन्हें जिप बैग में स्टोर करें और फ्रीज करें। इसके अलावा हर्ब्स से आइस क्यूब भी बनाए जा सकते हैं। इसके लिए आप हर्ब्स को काटें और आइस ट्रे में डालें। इसे पानी या जैतून के तेल से भरकर फ्रीज करें। सूप, दाल, ग्रेवी के लिए यह बहुत बढ़िया ऑप्शन है। इस तरह आपकी हर्ब्स 3-6 महीने तक आसानी से चल जाती हैं।

30 अप्रैल को थिएटर्स में आएगी राम चरण की आने वाली फिल्म 'पेद्दी'

साउथ सुपरस्टार राम चरण इन दिनों निजी और प्रोफेशनल दोनों वजहों से चर्चा में हैं। हाल ही में वह जुड़वां बच्चों एक बेटे और एक बेटी के पिता बने हैं। पिछले महीने उनकी पत्नी उपासना ने बच्चों को जन्म दिया था। उनकी आगामी फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। जब से फिल्म 'पेद्दी' का ऐलान हुआ है, तब से यह सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में बनी हुई है। अब मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी है। 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नए पोस्टर में राम बेहद दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। वह लंबे बाल, बड़ी दाढ़ी, खून से सना चेहरा और धूल में लिपटे रफ-टफ अवतार में दिखाई दे रहे हैं। भीड़ के बीच खड़े राम चरण की मौजूदगी एक ताकतवर और मास अपील वाले किरदार की ओर इशारा करती है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा... 'उसके आने की तारीख बदल सकती है, लेकिन उसकी ताकत और जज्बा नहीं।' बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही 'पेद्दी' को एक बड़ी पैन इंडिया फिल्म माना जा रहा है। फिल्म में राम के साथ जाह्नवी कपूर भी लीड रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

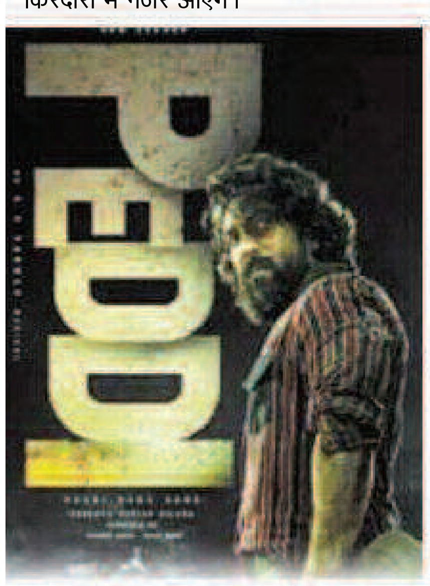

ट्रोल होने पर क्या करती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 'वैलेंटाइन डे' से एक दिन पहले 13 फरवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में तृप्ति डिमरी अफशा का किरदार निभाएंगी। इसमें उनके साथ शाहिद कपूर अहम किरदार में हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अमर उजाला से खास बातचीत की है। उन्होंने बताया है कि वह ट्रोल होने पर कैसा महसूस करती हैं।

ट्रोल होने पर कैसा महसूस करती हैं तृप्ति?

तृप्ति डिमरी से जब पूछा गया कि जब कोई उन्हें ट्रोल करता है, तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने कहा 'मैं रोती हूं। इंसान हूं, इसलिए कभी-कभी बहुत रोती भी हूं। लेकिन अगर कोई मेरी फिल्म या मेरे काम को लेकर आलोचना करे, तो मैं उस पर नहीं रोती। मैं इसे ऐसे लेती हूं कि किसी को मेरा काम पसंद आएगा, किसी को नहीं। सबको खुश करना संभव नहीं है।'

पर्सनल कमेंट लगते हैं बुरे

उन्होंने आगे कहा 'हां, अगर कोई पर्सनल कमेंट कर दे, तो वह बात मुझे बुरी लगती है। बिलकुल अच्छा नहीं लगता। लेकिन फिर भी, मैं उस पर रोती नहीं हूं। मुझे कोई इतनी आसानी से रुला नहीं सकता।'

प्यार पर क्या बोलीं तृप्ति?

तृप्ति डिमरी ने प्यार पर अपनी बात रखते हुए कहा 'अगर मैं खुद को फिल्म की लव स्टोरी में रखूं, तो जिस बात से मैं सबसे ज्यादा जुड़ पाती हूं, वह है इस कहानी में मौजूद प्यार की सच्चाई। मुझे हमेशा लगता है कि प्यार ऐसा ही होना चाहिए। सीधा, साफ और बिल्कुल पवित्र। यही चीज इस कहानी में भी है। यही बात मेरी अपनी रियल लाइफ से भी सबसे ज्यादा मिलती है।

कौन है फिल्म का निर्देशक?

फिल्म 'ओ रोमियो' एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसके लेखक और निर्देशक विशाल भारद्वाज हैं। इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म में तृप्ति और शाहिद के अलावा नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल भी होंगी।

गोलमाल 5 में हुई करीना की वापसी

रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'गोलमाल 5' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में करीना कपूर की वापसी तय हो चुकी है और वह एक बार फिर अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इसके साथ ही रोहित शेट्टी ने फिल्म में अक्षय कुमार को शामिल कर दिया है। अजय, अक्षय और करीना जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी ने 'गोलमाल 5' को अब तक की सबसे बड़ी और दमदार टीम वाली फिल्म बना दिया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक... 'करीना की कास्टिंग में थोड़ा वक्त लगा। इसकी वजह डेट्स और कुछ अन्य मुद्दों पर बातचीत थी।'

फिल्म में अजय का ही रहेगा अहम किरदार

'गोलमाल' फ्रेंचाइज के अब तक आए चारों पार्ट हिट साबित हुए हैं। अब अक्षय की एंट्री और करीना की वापसी ने इस उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इतने बड़े सितारों को एक साथ लाना आसान नहीं होता। फिल्म में अजय का ही किरदार अहम रहेगा।

विक्रांत मैसी ने रिटायरमेंट को लेकर कही बड़ी बात

विक्रांत मैसी ने हाल ही में अपने रिटायरमेंट को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर बात की है। अभिनेता ने साल 2024 में टेंपरेरी रिटायरमेंट को लेकर पोस्ट शेयर की थी। पोस्ट के बाद फैंस में खलबली मच गई थी। उनके एक पोस्ट से सबको यह लगा कि एक्टर रिटायरमेंट लेने वाले हैं। अब उन्होंने बताया है कि उनकी पोस्ट का मतलब क्या था।

विक्रांत मैसी ने लिया था एक्टिंग से ब्रेक

अभिनेता विक्रांत मैसी ने क्लियर किया कि उनकी दिसंबर 2024 की पोस्ट का मतलब रिटायरमेंट से नहीं था। बल्कि यह एक जरूरी ब्रेक था, जो गंभीर बर्नआउट और परिवार के साथ समय न बिताने के पछतावे की वजह से लिया गया था।

लोगों को हुई गलतफहमी

अभिनेता ने सोशल मीडिया पर हुए वायरल पोस्ट के बारे में बात करते हुए कहा, 'एक्स पर शब्दों की लिमिट होती है, उसमें मैंने सारी जानकारी देने की कोशिश की। लेकिन पूरी जानकारी लोगों तक नहीं पहुंच पाई। लोगों ने बहुत कुछ गलत समझ लिया। मैं सिर्फ ब्रेक लेना चाहता था। उस समय मैं बहुत ज्यादा थकान से जूझ रहा था। अगर आप अपने काम की वजह से पलों का आनंद नहीं ले पा रहे, तो सफलता का क्या फायदा?

काम इंतजार कर सकता है...

अभिनेता के मुताबिक उन्होंने अपने बेटे के मुंह से पहली बार 'पापा' सुनने का पल मिस कर दिया। इससे उन्हें समझ आया कि प्रोफेशनल उपलब्धियां कुछ समय के लिए हैं, लेकिन बेटे का बचपन वापस लौटकर नहीं आएगा। 7 महीने के ब्रेक के दौरान, उन्होंने एक पति और पिता होने का दायित्व निभाया। उन्होंने कहा, 'काम इंतजार कर सकता है, लेकिन परिवार के साथ बिताए पल वापस लौटकर नहीं आते।'

नाम बदलने के फैसले के बाद 'घूसखोर पंडित' विवाद पर मनोज बाजपेयी ने दी प्रतिक्रिया

नेटफ्लिक्स पर आने वाली मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपनी घोषणा के बाद से ही विवादों में घिरी है। फिल्म के नाम को लेकर ब्राह्मण समुदाय और एफडब्ल्यूआईसीई ने आपत्ति जताई और रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। जब मामला कोर्ट में पहुंचा तब मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलने का फैसला किया। अब इस पूरे मामले में मनोज बाजपेयी की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

हम छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं

डेक्कन क्रॉनिकल से बात करते हुए फिल्म के लीड एक्टर मनोज बाजपेयी ने विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'हमारा देश बहुत संवेदनशील हो गया है। हम हमेशा तनाव में रहते हैं, छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं और व्यक्तिगत रूप से अपशब्दों का प्रयोग करने लगते हैं। अब फिल्म के शीर्षक में इन सभी बातों का ध्यान रखा जा रहा है।'

मेकर्स ने लिया फिल्म का नाम बदलने का फैसला

इससे पहले नेटफ्लिक्स पर फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं कोर्ट में भी फिल्म के टाइटल को लेकर इसे भड़काऊ और ब्राह्मणों का अपमान करने वाला बताते हुए याचिका दायर की गई। इसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की बात कही गई। हालांकि, बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने कोर्ट को बताया कि मेकर्स फिल्म के नाम में बदलाव करने को तैयार हैं। मेकर्स की ओर से आश्वस्त किया गया कि प्रमोशनल सामग्री पहले ही हटा ली गई है और फिल्म का नाम भी बदल दिया जाएगा। हालांकि, अभी तक फिल्म के नए नाम की घोषणा नहीं की गई है।

नीरज पांडे ने किया है निर्माण

नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'घूसखोर पंडित' में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में नुसरत भरूचा, साकिब सलीम, श्रद्धा दास, अक्षय ओबेरॉय और कीकू शारदा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

यह जिंदगी बदल देने वाली फिल्म है 'कैनेडी'

अभिनेत्री सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' में नजर आएंगी। सनी लियोन इस फिल्म को अपने 15 साल के करियर में सबसे खास मानती हैं। साथ ही उनका कहना है कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इस फिल्म के लिए उन्हें कॉल किया था। 'कैनेडी' काफी वक्त से तैयार है और कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसे तारीफें भी मिल चुकी हैं। अब सनी लियोन ने फिल्म के अपने अनुभव के बारे में बात की।

फिल्म को लेकर उत्साहित हैं सनी

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान सनी लियोन ने फिल्म के लिए अपनी तैयारी और इस फिल्म की गंभीरता को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। मैं वहां थोड़े समय के लिए ही थी, लेकिन उस दौरान इस फिल्म पर काम करना एक अद्भुत अनुभव रहा। इसमें जो मेहनत लगी है, इस फिल्म के लिए हम जितनी जगहों पर गए हैं और अलग-अलग जगहों, देशों, फिल्म समारोहों और यहां तक कि आम लोगों से भी जो प्रतिक्रिया मिली है, वह कमाल की है। सच में यह बहुत ही रोमांचक है। कैनेडी को आखिरकार एक घर मिल गया।' फिल्म में कम स्क्रीन टाइम को लेकर सनी ने कहा कि यह निश्चित रूप से किरदार के बारे में है। यह स्क्रीन टाइम के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि फिल्म में वह समय कितना प्रभावशाली है। मुझे लगता है कि इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत ही अद्भुत अनुभव था। जब आप इसे देखते हैं, तो ऐसा नहीं लगता कि मैं वहां हूं और फिर गायब हो जाती हूं। यह अधिकांश बड़ी फिल्मों की तरह, केवल एक व्यक्ति पर आधारित नहीं है। इसमें कई अलग-अलग किरदार हैं।

अनुराग कश्यप के साथ ऐसी थी पहली मुलाकात

अनुराग कश्यप के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए सनी लियोन ने कहा मैं चौंक गई थी। मैंने सोचा, 'आप मुझे फोन करना चाहते थे?' तो पहले उन्होंने डेनियल को फोन किया और डेनियल ने कहा, 'आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं भाई? आप सीधे सनी को फोन करके पूछ लीजिए।' तो जब उन्होंने फोन किया, तो दूसरी तरफ डेनियल ने कहा, 'हे भगवान, यह तो कमाल है।' और फिर उन्होंने फोन करके कहा कि वह चाहते हैं कि मैं इस रोल के लिए ऑडिशन दूं। मैं ऑडिशन के लिए तैयार थी, लेकिन मुझे इसके लिए गिड़गिड़ाना पड़ा क्योंकि वह बार-बार कह रहे थे, 'तुम्हें ऑडिशन की जरूरत नहीं है।' मैंने उनसे कहा, प्लीज। अगर अंग्रेजी में है तो मत भेजिए, लेकिन अगर हिंदी में है तो भेज दीजिए। कुछ शब्द मुश्किल हो सकते हैं। तो उन्होंने डायलॉग भेजे और मैंने उन्हें याद कर लिया। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ऑफिस के ये सभी लोग मेरे साथ एक मजाक कर रहे थे। मुझे कान्स में डिनर के दौरान पता चला। वे कहने लगे, 'हां, हमने तुम्हारे साथ एक मज़ाक किया था। हम बस यह देखना चाहते थे कि तुम आओगी या नहीं।' मैंने कहा कि क्या आप सच कह रहे हैं? मैंने डायलॉग याद कर लिए थे। मैं बहुत घबराई हुई थी।

चुनौतीपूर्ण था किरदार

अपने किरदार चार्ली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए सनी का कहना है कि अनुराग को भरोसा था मैं कर लूंगी। लेकिन मुझे नहीं था। किरदार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चार्ली की विशिष्ट हंसी को हूबहू नकल करना था। शुरू से ही वह इसे चाहते थे। लेकिन मैं सोच रही थी कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी ऐसे नहीं हंसा। कौन ऐसे हंसता है? इसलिए मैं जहां भी जाती, चार्ली की तरह हंसने लगती थी। किरदार की तैयारी के लिए हमने डायलॉग्स की कोचिंग ली, स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप में भाग लिया। उन्होंने मेरी एक भी लाइन नहीं बदली, जो बहुत अच्छी बात थी। यह वाकई एक जिंदगी बदल देने वाली फिल्म है।

20 फरवरी को रिलीज होगी 'कैनेडी'

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'कैनेडी' में सनी लियोन के साथ राहुल भट्ट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत में 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो रही है।

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन – कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267